mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-41 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
11 फरवरी 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बंगलूरू मेट्रो किराया बढ़ोतरी पर रोक

शिवकुमार बोले- फैसला राज्य सरकार का, केंद्र की भूमिका नहीं

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में बंगलूरू मेट्रो के किराए को लेकर सियासी और प्रशासनिक टकराव तेज होता जा रहा है। किराया बढ़ोतरी पर रोक के दावों के बीच अब जिम्मेदारी तय करने को लेकर केंद्र और राज्य आमने-सामने हैं। ऐसे में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस पूरे मामले में कर्नाटक सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि बंगलूरू मेट्रो के किराए में प्रस्तावित बढ़ोतरी को रोकने का फैसला राज्य सरकार ने खुद लिया है, इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र का इस मामले में न तो कोई अधिकार है और न ही दखल देने का कानूनी आधार। कर्नाटक विधान सौधा में प्रेस वार्ता के दौरान शिवकुमार ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा भेजा गया पत्र कानूनी रूप से कोई मायने नहीं रखता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किराए से जुड़े आंकड़ों को दोबारा जांचा जाए और तब तक किराया बढ़ोतरी को रोका जाए।

डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्हें लगा था कि इस मुद्दे पर दिल्ली में बैठक होगी, लेकिन वह भी टल गई। जो लोग इस पर जीत का दावा कर रहे हैं, उन्हें पहले बैठक सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

तीव्रता 3.1 मापी गई, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं। खिसकने के दौरान जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो उससे पैदा होने वाली ऊर्जा ही भूकंप के रूप में सतह को हिला देती है। बता दें भूकंप के झटके महसूस होते ही तुरंत घर से बाहर किसी खुले मैदान में निकल जाएं। यदि बाहर निकलना मुमकिन न हो तो किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे छिप जाएं। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सीढ़ियों का प्रयोग करें लिफ्ट का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। बिजली के खंभों, पेड़ों और कांच की खिड़कियों से दूर खड़े हों।

रूस बोला- भारत पर हमसे तेल नहीं खरीदने का दबाव

● **अमेरिका एनर्जी सप्लाई पर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें**

मॉस्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं।

लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा।

भारत समेत BRICS देशों पर रूसी से दूरी बनाने का दबाव :रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे BRICS देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है।

बस्तर पंडुम कार्यक्रम पर बोले पीएम मोदी- माओवाद नहीं विकास और आत्मविश्वास है यहां की नई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर की पहचान लंबे समय से माओवाद, हिंसा और पिछड़ेपन से था। लेकिन अब धीरे-धीरे बस्तर नए पहचान समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से देश में जाना जा रहा है। इसी बदलाव की एक बड़ी मिसाल है 'बस्तर पंडुम', जिसका आयोजन 7 से 9 फरवरी के बीच बड़े उत्साह से हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन के बारे में एक्स पर लिखा, '7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में 'बस्तर पंडुम' का विशेष आयोजन किया गया। इस उत्सव के दौरान बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य रूप दिखा। इस प्रयास से जुड़े अपने सभी परिवारजनों को मेरी हार्दिक बधाई। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

अब हालात बदल चुके हैं- पीएम मोदी: उन्होंने आगे कहा, 'पहले जब बस्तर का नाम लिया जाता था तो माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी। लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल चुके हैं। आज बस्तर विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जाता है। मेरी यही कामना है कि यहां का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव की भावना से परिपूर्ण हो।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश, 118 सांसदों के दस्तखत

2 बार स्थगन के बाद लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन 12 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया।

दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बीच भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सांसद वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते रहे। इसके बाद सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से हाथ जोड़कर कहा कि बजट पर चर्चा होने दें। इससे हम सबका नुकसान हो रहा है। आप रोज आकर हंगामा करते हैं। ऐसे में काम नहीं हो पा रहा।

दोपहर 2 बजे कार्यवाही शुरू हुई। स्पीकर की चेयर पर ओम बिरला की जगह केपी तेनेट्टी आए। उन्होंने विपक्ष से शशि थरूर को आम बजट पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा।

पेंगुइन बोली- कोई भी हिस्सा पब्लिक नहीं किया

राहुल का यह बयान पब्लिशिंग कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के उस क्लैरिफिकेशन के बाद आया, जिसमें कहा गया कि नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है। पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। पेंगुइन कंपनी ने कहा- अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। हमारी तरफ से किताब का कोई भी हिस्सा कहीं भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। कंपनी की सफाई इसलिए आई, क्योंकि बुक की अनअथॉराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा है।

शशि थरूर बोले

कांग्रेस का सांसद शशि थरूर ने बजट पर चर्चा के दौरान सरकार के काम के आंकड़े रखे। उन्होंने कई योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार केवल हेडलाइन मैनेज करती है, असलियत कुछ और है।

उन्होंने कहा कि जल जीवन में केवल 9 महीने में 31 करोड़ खर्च हुए, पीएम अनुसूचित जाति के विकास के लिए 240 में 40 करोड़ खर्च हुए। सरकार ने कहा कि टैक्स कम आ रहे है, आम जनता पर टैक्स बर्डन बढ़ गया है जो कंपनियों पर होना चाहिए था।

थरूर ने कहा कि सरकार ने भारत को घाटे में लाकर खड़ा कर दिया है। आम आदमी के लिए बोझ बढ़ रहा है, ये है आपके बजट का हाल। किसानों के बारे में कहा कि हमें एग्रीकल्चर सेक्टर पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

स्पीकर ने जनरल सेक्रेटरी से अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस की जांच के लिए कहा

स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को लोकसभा सेक्रेटरी जनरल उत्पल कुमार सिंह को विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया। लगभग 120 विपक्षी सांसदों ने बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया था, क्योंकि उन्होंने नेता विपक्ष (LoP) राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी थी, साथ ही आठ सांसदों को सस्पेंड करने का भी नोटिस दिया था। कांग्रेस M P और चीफ व्हिप के सुरेश ने अपनी पार्टी, समाजवादी पार्टी और DMK समेत कई विपक्षी पार्टियों की तरफ से लोकसभा सेक्रेटेरिएट को नोटिस दिया। हालांकि, TMC सांसदों ने नोटिस पर साइन नहीं किए।

डबरा में कलश वितरण के दौरान भगदड़... महिला की मौत, बच्ची समेत 8 घायल

पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा कार्यक्रम के आयोजक

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कलश यात्रा शुरू होने से पहले भगदड़ मच गई। इसमें 70 वर्षीय महिला रति साहू की मौत हो गई। बच्ची समेत 8 लोग घायल हो गए हैं। भगदड़ तब मची जब यात्रा से पहले कलश वितरण किया जा रहा था। कलश जल्दी और पहले पाने की होड़ में भीड़ बढ़ गई और भगदड़ मच गई। गंभीर रूप से घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है। परिजन ने पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

आमंत्रण पत्र में पंडित प्रदीप मिश्रा, पं. धीरेंद्र शास्त्री का नाम भी शामिल :श्री नवग्रह शक्तिपीठ का आयोजन मंगलवार को कलश यात्रा से शुरू हुआ, जो 20 फरवरी तक चलेगा। आयोजन में देशभर के संतों को आमंत्रित किया गया है। इसमें शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी महाराज, स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज, राजेंद्र दास जी महाराज, दाती महाराज, साध्वी ऋतम्भरा, देवकीनंदन ठाकुर के नाम शामिल हैं। वहीं, पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा 13 फरवरी तक चलेगी। 14 से 16 फरवरी तक कवि कुमार विश्वास अपने-अपने राम का वाचन करेंगे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा 17 से 20 फरवरी तक चलेगी। इसी दिन आयोजन का समापन भी होगा।

कलेक्टर बोलीं- कलश लेने की होड़ में भगदड़ मची :कलेक्टर रुचिका चौहान ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। कलेक्टर ने बताया कि सुबह कलश यात्रा थी। कलश लेने के लिए बड़ी संख्या में महिला जमा थीं। सभी लोगों को कलश लेने की जल्दी थी। इसी दौरान भगदड़ मची। एक महिला की मौत हुई है, बच्ची समेत चार लोग घायल हैं। डॉक्टर ने ऑब्जर्वेशन में रखा हुआ है।

पुलिस ने गेट खोलकर बंद किया, इससे मची अफरा-तफरी

जानकारी के मुताबिक कलश बांटते वक्त पुलिस ने एक गेट को बंद कर दिया। इससे तीन-चार महिलाएं दब गईं। हादसे में घायल 70 वर्षीय रति साहू की डबरा सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक रति साहू की बहू रीना साहू ने आरोप लगाया कि हादसा पुलिस की लापरवाही के कारण हुई है। पुलिसकर्मी ने गेट खोलकर अचानक बंद कर दिया, जिससे महिलाएं दब गईं। रीना साहू ने यह भी बताया कि डबरा सिविल अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर्स ने इलाज नहीं किया।

रीना साहू ने बताया कि मेरी सास को समय पर ऑक्सीजन नहीं मिल पाई। वह आधे घंटे तक अस्पताल में तड़पती रहीं और उनकी मौत हो गई।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार, सीजेआई बोले- चुनाव आते ही कोर्ट भी राजनीति का हिस्सा बन जाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर CPI(M) और CPI के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर FIR दर्ज नहीं की गई है।

कांग्रेस ने पहले उठाया था वीडियो का मुद्दा

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी X हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के X हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे।

सीएम हिमंत सरमा ने गोगोई पर ठोका 500 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आरोप उनकी छवि खराब करने के इरादे से लगाए गए हैं। इन आरोपों के खिलाफ मुख्यमंत्री सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और दो अन्य लोगों के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का मानहानि (डिफेमेशन) का केस दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि कांग्रेस नेताओं ने बिना किसी सबूत के गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनकी व्यक्तिगत और राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने साफ कहा कि वह इस मामले में कानूनी रास्ते से जवाब देंगे। सरमा ने कहा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन झूठे आरोप लगाना गलत है।

मथुरा में परिवार के 5 लोगों की लाश मिली:पति-पत्नी, 3 बच्चे

रसोई की दीवार समेत 3 जगह सुसाइड नोट मिले; मौत की 2 थ्योरी

मथुरा, एजेंसी। मथुरा में एक परिवार के पांच लोगों की लाश कमरे में मिली है। मृतकों में पति, पत्नी और तीन बच्चे शामिल हैं। बेड पर मां, एक बेटी और एक बेटा मिले, जबकि दूसरी बेटी चारपाई पर थी। वहीं पति फर्श पर पड़ा मिला। फिलहाल, पुलिस की 2 थ्योरी अब सामने आई है। पहली- पति, पत्नी और बच्चों ने दूध में जहर मिलाकर पीया। दूसरी- पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर बच्चों की जान ली और बाद में करंट लगाकर खुद आत्महत्या कर ली। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि घटना का पता उस वक्त चला, जब सुबह बच्चे दिखाई नहीं दिए। इस पर पड़ोस में रहने वाले मनीष के भाई मौके पर पहुंचे। मेन गेट फांदकर अंदर घुसे। कमरे का दरवाजा तोड़ा तो सभी मृत पड़े मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

पुलिस को कमरे की दीवार पर एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है- मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं। पुलिस किसी को परेशान न करे। इसके अलावा एक कागज पर सुसाइड नोट मिला है। इसमें भी यहीं बातें लिखी हुई हैं। पति के मोबाइल में एक वीडियो भी मिला है, जिसमें उसने आत्महत्या की बात कही है। वीडियो उसने खुद बनाया था। पुलिस तंत्र-मंत्र के एंगल पर भी जांच कर रही है। इसके चलते पुलिस ने उस मंदिर के पुजारी को हिरासत में लिया है, जहां मनीष अक्सर पूजा करने जाया करता थे।

खप्परपुर निवासी मनीष खेती करते थे। उनकी शादी हाथरस के मढ़नई गांव में हुई थी। पत्नी अपने मायके की इकलौती बेटी थी। ससुर के पास तीन बीघा खेती है, जो मनीष को ही मिलती थी। हाल ही में मनीष ने 19 लाख रुपए का प्लॉट बेचा था, जिसमें से 12 लाख रुपए खाते में आ चुके थे। मनीष के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उनके दो भाई सुधीर और जयकिशन हैं, जो घर के बगल में ही रहते हैं।

जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट लापता:दिल्ली से टैक्सी में आए थे, बैग छोड़कर मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में गए थे, वापस नहीं लौटे

जयपुर, एजेंसी। जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट लापता हो गए। टैक्सी ड्राइवर को खाना खाने की कहकर दोनों मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। उनके बैग टैक्सी में ही थे। अशोक नगर पुलिस स्टेशन में ड्राइवर ने दोनों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार दोनों तीन दिन पहले ही इंडिया आए थे। पुलिस अब उनकी तलाश कर रही है।

6 फरवरी को दोनों दिल्ली पहुंचे थे : SHO (अशोक नगर) मोतीलाल ने बताया- टैक्सी ड्राइवर पिकेंद्र कुमार ने बताया- 6 फरवरी को दोनों जापानी पर्यटक (हिबिक्की शिब्बा और युमा) ट्यूरिट वीजा पर दिल्ली आए थे। अगले दिन वो दोनों को लेकर जयपुर के ब्रह्मपुरी स्थित एक होटल में आया था। वहां से देर शाम दोनों टूरिस्ट अशोक नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने की कहकर गए थे। फिर वापस नहीं लौटे।

सुबह तक इंतजार करता रहा ड्राइवर : पर्यटकों के पास मोबाइल थे, लेकिन ड्राइवर के पास उनके नंबर नहीं थे। ड्राइवर 8 फरवरी की सुबह तक रेस्टोरेंट के बाहर उनके लौटने का इंतजार करता रहा, लेकिन दोनों पर्यटक वापस नहीं लौटे। उनके बैग टैक्सी में ही थे। काफी इंतजार के बाद भी पर्यटकों के नहीं पहुंचने पर अशोक नगर थाने में ड्राइवर ने रिपोर्ट दी। पुलिस ने दोनों टूरिस्ट के टैक्सी में रखे बैग अपनी कस्टडी में ले लिए हैं और मामले की जांच कर रही है।

दोनों का जयपुर के अलग-अलग टूरिस्ट स्पॉट पर जाने का प्लान था। : पुलिस का कहना है- आस-पास लगे CCTV फुटेजों की जांच की है। फुटेज में दोनों टूरिस्ट रेस्टोरेंट में एंटर करने के करीब 5 मिनट बाद ही वहां से बाहर निकलकर पैदल जाते दिखाई दे रहे हैं। दोनों टूरिस्ट फिलहाल कहां है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

2 ठेकेदारों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट तीसरे आरोपी की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में डीजेबी के गड्ढे में गिरने से हुई बाइक सवार की मौत के मामले में पुलिस का ऐक्शन जारी है। दो ठेकेदारों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है, जबकि उप ठेकेदार की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। इस मामले में गिरफ्तार एक मजदूर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बताया कि जनकपुरी इलाके में खुले में बने डीजेबी के गड्ढे में गिरने से 25 साल के बाइक सवार की मौत के मामले में दो ठेकेदारों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं। पुलिस ने तीसरे आरोपी की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी है और एक मजदूर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मजदूर पर समय पर अधिकारियों को घटना की सूचना नहीं देने का आरोप है।

घटनास्थल पर मौजूद था मजदूर: अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार भाइयों हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता के खिलाफ वारंट जारी किए गए हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि उप ठेकेदार राजेश कुमार प्रजापति की पुलिस हिरासत एक दिन के लिए बढ़ा दी गई है। मजदूर योगेश कथित तौर पर उस समय घटनास्थल पर मौजूद था जब बाइक सवार गड्ढे में गिरा। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पीड़ित के परिवार को भी गुमराह किया : शुक्रवार तड़के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा सीवर के काम के लिए खोदे गए लगभग 15 फुट गहरे गड्ढे में निजी बैंक के कर्मचारी कमल ध्यानी गिर गए। पुलिस ने पहले बताया था कि योगेश को एक सुरक्षा गार्ड द्वारा सतर्क किए जाने के बाद घटना की जानकारी मिली, लेकिन उसने अधिकारियों को सूचित नहीं किया और इसके बजाय प्रजापति को फोन किया। आरोप है कि उसने रात में पीड़ित के परिवार को भी गुमराह किया जब वे उसे ढूंढने आए थे।

ठेकेदारों की तलाश जारी : प्रजापति को घटना की सूचना मिलने से घंटों पहले ही गिरने की जानकारी होने के बावजूद पुलिस या आपातकालीन एजेंसियों को सूचित नहीं करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। योगेश को बाद में उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार किया गया। जनकपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत आरोपियों और डीजेबी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि जिन ठेकेदारों के खिलाफ गैर इरादतन चेतावनी जारी की गई है, उन्हें ढूंढने के प्रयास जारी हैं।

औंधे मुंह पड़ा मिला था बाइकर : पुलिस सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया कि मौत का कारण चोट के कारण सांस रुकने से हुआ था। किसी कठोर और भारी वस्तु के प्रभाव से छाती पर दबाव पड़ने और साथ ही पीड़ित के गड्ढे में गिरने के बाद मिट्टी से मुंह और नाक के अवरुद्ध होने के कारण हुआ था। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रिपोर्ट में दर्ज है कि पीड़ित व्यक्ति गड्ढे के अंदर औंधे मुंह पड़ा मिला था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिलहाल मौत का कारण आकस्मिक प्रतीत हो रहा है। हालांकि, आगे की जांच के बाद ही मौत का सही समय पता चलेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीने पर दबाव किसी भारी वाहन के शरीर पर गिरने से हो सकता है, जबकि दाहिनी जांघ पर जलने के निशान बाइक के साइलेंसर के कारण हुए थे।

ह्यूमनॉइड रोबॉट अब व्यावसायिक रूप से लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वदेशी रोबोटिक्स कंपनी एडवर्ब टेक्नोलॉजीज ने भारत में बने पहियों वाला ह्यूमनॉइड रोबॉट व्यावसायिक रूप से लॉन्च करने की तैयारी की है। रोबॉट पहले भारत में उतारा जाएगा, फिर वैश्विक बाजारों में। इस रोबोट की कीमत यूरोप और जापान की प्रतिस्पर्धी कंपनियों के रोबॉट से कम होगी, लेकिन चीन की तुलना में अधिक होगी।

कंपनी की कीमत रणनीति के बारे में एडवर्ब के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संगीत कुमार ने कहा, 'चीन का एक अच्छा ह्यूमनॉइड रोबॉट लगभग 50-75 लाख रुपये में उपलब्ध है जबकि यूरोप और जापान के रोबॉट की कीमत लगभग 1 से 1.5 करोड़ रुपये के बीच है। हम अपनी कीमत इन दोनों के बीच रखने की योजना बना रहे हैं। इस रोबॉट को बनाने में डेढ़ साल लगा।' चीन की तुलना में अधिक कीमत को सही ठहराते हुए कुमार ने कहा कि केवल कीमत ही औद्योगिक खरीद से जुड़े फैसले को प्रभावित नहीं करती है। उन्होंने कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि 20 साल के जीवन वाले उत्पाद में सेवा और भरोसे का आश्वासन होना चाहिए। ऐसी कई रिपोर्ट आई हैं कि चीन के रोबॉट डेटा एकत्र कर रहे हैं और उन्हें चीन में सर्वरों को भेज रहे हैं। हम अधिक कीमत लेंगे क्योंकि हम दुनिया के लिए आपूर्ति का भरोसेमंद स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि एडवर्ब जापान और यूरोप के कलपुर्जों का उपयोग करता है, जिन्हें चीन के पुर्जों की तुलना में अधिक विश्वसनीय माना जाता है। चीनी पुर्जे अधिकांशतः चीन में ही बनाए जाते हैं। कुमार ने हाल ही में घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का भी जिक्र किया जिसके तहत भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ को 50 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि चीन के सामान पर आयात शुल्क 31 प्रतिशत बना हुआ है, जिससे भारतीय निर्माताओं को प्रतिस्पर्धा की बढ़त मिलती है। एडवर्ब की योजना पहले वर्ष में 100 ह्यूमनॉइड रोबॉट बनाने की है ताकि पांच से छह प्रमुख घरेलू ग्राहकों के साथ मांग का परीक्षण किया जा सके। दूसरे वर्ष में उत्पादन 500 यूनिट और तीसरे वर्ष में 2,000 यूनिट तक बढ़ने की उम्मीद है।

चेहरा छिपाया तो भी खैर नहीं, चाल से पकड़े जाएंगे गुनहगार ; दिल्ली पुलिस का नया हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी। चेहरा ढंककर या वारदात के बाद भेष बदलकर सालों तक पुलिस को चकमा देने वाले अपराधियों के लिए अब छिपना आसान नहीं होगा। पुलिस अब बदमाशों की चाल देखकर उनकी पहचान कर लेगी। इसके लिए पुलिस गेट एनालिसिस तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। अब तक इस तकनीक का उपयोग मेडिकल की जांच के दौरान डॉक्टर करते थे। अब यह तकनीक पुलिस का सशक्त हथियार बनने जा रही है। बीते साल पुलिस हत्या की एक गुत्थी भी इस तकनीक से सुलझा चुकी है। इसके अलावा पुलिस दो और तकनीकों का इस्तेमाल भी बढ़ा रही है।

ऐसे करती है काम : गेट एनालिसिस तकनीक का इस्तेमाल अब तक मेडिकल क्षेत्र में किया जाता रहा है। अमूमन फिजियोथेरेपिस्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ खिलाड़ियों की बीमारियां का पता लगाने के लिए उनके चलने के तरीके का अध्ययन करते थे। इसमें एथलीट को कहां दर्द है? या चलने में क्या दिक्कत आ रही है? इसका विश्लेषण किया जाता है। दरअसल, हर इंसान के चलने का तरीका अलग होता है। चाल के दौरान शरीर के किसी हिस्से का झुकाव, हाथ का अंदाज और पैरों का झुकाव ये सभी चीजें किसी एक व्यक्ति की दूसरे से अलग होती हैं। पुलिस इसी तकनीक की से अपराधियों की पहचान कर रही है।

हत्या का केस सुलझाने में मददगार तकनीक : दिल्ली पुलिस ने तिमारपुर इलाके में हुई 32 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी रामकेश मीना की हत्या के मामले को सुलझाने में पहली बार गेट एनालिसिस तकनीक का इस्तेमाल किया। मामले की जांच में चलने के पैटर्न का वैज्ञानिक विश्लेषण कर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा। रामकेश की हत्या उसकी लिव-इन पार्टनर ने दो साथियों के साथ मिलकर की थी। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो आरोपी का चेहरा स्पष्ट नहीं था। जिसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर कुछ संदिग्धों की सूची तैयार की। इसके बाद सीसीटीवी में दिखाई दे रहे संदिग्धों के चलने की गति, कदमों का संतुलन और शरीर की बनावट का उन संदिग्धों से मिलान किया, तो वे पूरी तरह मेल खा गए। इसके बाद आरोपियों को दबोच लिया गया। पुलिस ने इस मामले में दाखिल चार्जशीट में यह खुलासा किया कि गुजरात से फॉरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाकर सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहे संदिग्धों के चलने के तरीके का विश्लेषण कर आरोपियों को पकड़ा गया।

ई-रिक्शा के लिए नई पॉलिसी की तैयारी में दिल्ली सरकार, पंजीकरण से लेकर तय होंगे रूट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में सड़कों पर तेजी से बढ़ते ई-रिक्शा को अब सरकार की नीति के दायरे में लाने की तैयारी है। दिल्ली सरकार ई-रिक्शा संचालन को लेकर एक समग्र पॉलिसी बनाने पर विचार कर रही है, ताकि यातायात व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और रोजगार तीनों के बीच संतुलन बनाया जा सके। सरकार का मानना है कि बिना स्पष्ट नीति के ई-रिक्शा की संख्या और संचालन भविष्य में ट्रैफिक और सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चुनौती बन सकती है। प्रस्तावित नीति का मकसद ई-रिक्शा पर रोक लगाना नहीं, बल्कि उन्हें व्यवस्थित करना है। फिलहाल दिल्ली के कई इलाकों में ई-रिक्शा बिना तय रूट, तय स्टैंड और स्पष्ट नियमों के चलते यातायात में बाधा बनते जा रहे हैं। खासकर मेट्रो स्टेशनों, बाजारों और रिहायशी कॉलोनियों के बाहर अनियंत्रित पार्किंग से जाम की स्थिति बनती है। इसी को देखते हुए दिल्ली सरकार ई-रिक्शा के लिए अलग से संचालन ढांचा तैयार करने पर विचार कर रही है, जिसमें रजिस्ट्रेशन, रूट निर्धारण और संचालन समय जैसे बिंदु शामिल हो सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन और पहचान प्रणाली पर फोकस: नीति के मसौदे में ई-रिक्शा और उनके चालकों की पहचान को अहम हिस्सा बनाया जा सकता है। प्रस्ताव है कि सभी ई-रिक्शा का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन हो, जिससे यह पता चल सके कि किस इलाके में कितने ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं। साथ ही चालकों का सत्यापन, यूनिक आईडी या क्यूआर कोड जैसी व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर पहचान और निगरानी आसान हो सके।

एनएचआरसी ने दिल्ली सरकार और पुलिस कमिश्नर को भेजे नोटिस, लापता लोगों की खबरों पर ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) इस साल जनवरी के पहले दो हफ्ते में दिल्ली से 800 से अधिक लोगों के लापता होने की खबरों के बाद ऐक्शन में आ गया है। एनएचआरसी ने सोमवार को बताया कि उसने पुलिस आंकड़ों के हवाले से जनवरी के पहले 15 दिनों में राजधानी में 807 लोगों के लापता होने की मीडिया में आई खबरों का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा कि यदि खबर में दी गई जानकारी सच है, तो इससे मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे उठते हैं। आयोग ने यहां जारी एक बयान में कहा, इसलिए, दिल्ली सरकार

के मुख्य सचिव और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। बयान के मुताबिक आयोग ने मीडिया में आई खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 के पहले दो हफ्तों में राष्ट्रीय राजधानी में 807 लोग लापता हो गए। इनमें 191 नाबालिग और 616 वयस्क शामिल हैं। पुलिस ने 235 लोगों का पता लगा लिया है और 572 लोग अब भी लापता हैं।

मीडिया में 5 फरवरी को आई खबरों के मुताबिक, 2025 में दिल्ली में कुल 24,508 लोग लापता हुए जिनमें से 60 प्रतिशत महिलाएं थीं। पुलिस 15,421 लापता लोगों का पता लगाने में सफल रही, जबकि 9,087 मामले अनसुलझे रहे। डेटा ने किशोरों के बीच बढ़े हुए जोखिम को भी उजागर किया है, जिसमें 2016 से हर साल 5,000 से अधिक किशोर, जिनमें से लगभग 3,500 लड़कियां हैं, लापता हो रहे हैं। पुलिस डेटा के अनुसार, 1 से 15 जनवरी के बीच कुल 807 लोग लापता हुए, यानी हर दिन औसतन 54 लोग लापता हुए। 6 फरवरी को जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि जनवरी 2026 में पिछले वर्षों की इसी अवधि की तुलना में लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट की संख्या में गिरावट आई है।

दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोदकर की हत्या, पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में सोमवार रात दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू गोदकर हत्या कर दी। सामुदायिक केंद्र के पास सी ब्लॉक के खुले मैदान में किसी बात पर झगड़ा होने पर उसपर हमला किया गया। मृतक की शिनाख्त सोहेल के रूप में हुई है। पुलिस ने हमला करने वाले दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबालिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पेट में चाकू के घाव थे। सोहेल के पिता पेशे से दर्जी हैं। सोहेल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ ख्याला इलाके में रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो नाबालिगों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि झगड़े के कारण उनलोगों ने उसपर हमला किया। जांच में पता चला कि पकड़े गए दोनों नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है।

लड़कियां जवां दिखने के लिए ले रहीं लाशों का सहारा

खूबसूरती निखारने के लिए कर रहीं 90 लाख तक खर्च

न्यूयार्क, एजेंसी। सुंदर दिखने और परफेक्ट बॉडी शेप पाने की चाहत में इंसान किस हद तक जा सकता है इसका एक चौंकाने वाला उदाहरण अमेरिका से सामने आया है। यहां एक नया ब्यूटी ट्रीटमेंट ट्रेंड कर रहा है जिसमें दान की गई लाशों से निकाली गई चर्बी का इस्तेमाल किया जा रहा है। एलोक्ले नामक इस ब्रांड के तहत किए जाने वाले इलाज से लोग अपने ब्रेस्ट और कूल्हों का साइज बढ़ा रहे हैं।

कैसे तैयार होती है लाशों वाली चर्बी : यह प्रक्रिया जितनी सुनने में डरावनी है उतनी ही वैज्ञानिक भी है। यह फैट केवल उन शरीरों से लिया जाता है जिन्हें मेडिकल रिसर्च के लिए दान किया गया हो। निकाली गई चर्बी को लैब में पूरी तरह साफ किया जाता है। इसमें से डीएनए और जीवित कोशिकाओं को हटा दिया जाता है ताकि जब इसे किसी दूसरे व्यक्ति के शरीर में डाला जाए तो कोई इन्फेक्शन या रिएक्शन न हो। इस प्रोसेस्ड फैट को बिना एनेस्थीसिया दिए सीधे शरीर के वांछित हिस्सों में इंजेक्ट कर दिया जाता है। पारंपरिक ब्राजीलियन बट लिफ्ट के लिए शरीर में खुद की चर्बी होनी जरूरी है। जिन लोगों के पास खुद का फैट नहीं है वे इस डोनेटेड फैट का सहारा ले रहे हैं।

वेट-लॉस दवाओं का असर : ओजेम्पिक जैसी दवाओं से वजन घटाने वाले लोग जिनके शरीर में ढीलापन आ गया है वे भी शेप पाने के लिए इसे चुन रहे हैं।

लाखों का खर्च और ऑवरग्लास फिगर का जुनून : मैनहट्टन की एक महिला ने हाल ही में अपने शरीर को परफेक्ट शेप देने के लिए इस ट्रीटमेंट पर करीब 40 लाख रुपये (.48,000) खर्च किए। इस ट्रीटमेंट की शुरुआत करीब 9 लाख रुपये से होती है और यह 90 लाख रुपये तक जा सकती है। यह पूरी प्रक्रिया महज एक घंटे के भीतर पूरी हो जाती है।

नैतिकता पर छिड़ी बहस : जहाँ कुछ लोग इसे मेडिकल साइंस की उपलब्धि बता रहे हैं, वहीं एक बड़ा वर्ग इसके नैतिक पहलुओं (श्वह्लद्धद्बष्ड्डद्य ढ्ढह्यह्यह्वद्गह्य) पर सवाल उठा रहा है। क्या खूबसूरती के लिए मृत शरीरों के अंशों का इस्तेमाल करना सही है? इसके अलावा, विशेषज्ञों ने इसके संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति भी आगाह किया है।

हमला करो, बातचीत नहीं; ट्रंप से अपील के बाद ईरान के व्यक्ति ने किया सुसाइड

ईरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी के बीच एक ईरानी व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप से अपील की गई कि ईरान के शासन के साथ कोई डील नहीं की जाए। 10 मिनट और 44 सेकंड के वीडियो में पौरिया हामिदी ने कहा कि उसकी अपील का मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर हो रही जानलेवा कार्रवाई की ओर ध्यान खींचना था। साथ ही उसने ईरानी शासन को लेकर विदेशी दखल की भी मांग की।

वीडियो में क्या कहा गया : ईरान के दक्षिणी पोर्ट शहर बुशहर के रहने वाले हामिदी ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कहा, अगर आप यह देख रहे हैं तो मैं अब नहीं रहा। 5 फरवरी को अपने ड्ढश्वह्वञ्जह्वड्ढद्ग चैनल क्क्षश्वह्ल्ड्ड ड्ड पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 40,000 से ज्यादा लोग मारे गए, नरसंहार हुआ, रूस-यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से भी ज्यादा।

ट्रंप प्रशासन से की ये अपील : हमीदी ने अपने वीडियो को कैप्शन दिया, यह मेरी कुर्बानी है, प्लीज, मेरे देश को आजाद करो। अंग्रेजी में रिकॉर्ड किए गए वीडियो में हामिदी ने सीधे अमेरिकी नेतृत्व को संबोधित करते हुए तेहरान के साथ किसी भी डिप्लोमैटिक एग्रीमेंट को आगे बढ़ाने की अपील की। उसने कहा कि सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन के साथ कोई भी एग्रीमेंट उन सभी लोगों के साथ धोखा होगा जो मारे गए।

अमेरिकी अटैक ही एकमात्र उम्मीद : उसने कहा, तो प्लीज मैं आपसे विनती करता हूं। इस डील को रोकने के लिए जो भी कर सकते हैं, करें। हमीदी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानियों से कहा था कि विरोध करते रहो और हमने किया। हमने उन पर भरोसा किया। उसने आगे कहा, अमेरिका का ईरान पर हमला करना ही अभी हमारी एकमात्र उम्मीद है। हम इस सरकार से अकेले नहीं लड़ सकते। हमारे लोगों को विदेशी दखल की जरूरत है।

भारत को रोकने की कोशिश, तेल खरीद को लेकर अमेरिका पर भड़का रूस

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने टीवी ब्क्रद्धष्ट को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका पर निशाना साधा और कहा कि भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। इस बात की जानकारी स्पुतनिक ने सोमवार को दी। रूस के विदेश मंत्री ने पिछले साल अलास्का में हुई शांति वार्ता जैसे कई मामलों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वॉशिंगटन ने टैरिफ, बैन और सीधे रोक जैसे जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है।

क्या बोले लावरोव : लावरोव ने कहा, वे (अमेरिका) हमसे कहते हैं कि यूक्रेन की समस्या का हल होना चाहिए। एंकरेज में हमने अमेरिका का प्रपोजल मान लिया। यूएस की स्थिति हमारे लिए जरूरी थी। उनका प्रपोजल मानकर, ऐसा लगता है कि हमने यूक्रेनी मुद्दे को सुलझाने का काम पूरा कर लिया है और एक बड़े पैमाने पर और आपसी फायदे वाले सहयोग की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक, असलियत बिल्कुल उलटी है। उन्होंने आगे कहा, नए बैन लगाए गए हैं, यूएन कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ द सी का उल्लंघन करते हुए खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ जंग छेड़ी जा रही है। वे भारत और हमारे दूसरे साझीदारों को सस्ते, किफायती रूसी एनर्जी रिसोर्स (यूरोप पर लंबे समय से बैन है) खरीदने से बैन करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बहुत ज्यादा कीमतों पर यूएस एलएनजी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

आर्थिक दबदबा बनाने का टारगेट : उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपने लिए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने के लिए अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल करना चाहता है। लावरोव ने कहा कि टैरिफ, सेंक्शन, सीधे रोक लगाना और कुछ लोगों को दूसरों से जुड़ने से रोकना, ये कदम अपने जा रहे हैं।

ईरान में विपक्षी नेताओं पर बड़ी कार्रवाई

तेहरान, एजेंसी। ईरानी सुरक्षा बलों ने देश में जारी सुधारवादी आंदोलन से जुड़े विपक्षी नेताओं और प्रमुख हस्तियों को हिरासत में लेने के लिए अभियान शुरू कर किया। सुरक्षा बलों के इस कदम से दमनकारी कार्रवाई और भी तेज हो गई है। इससे पहले अधिकारियों ने हिंसा के जरिए देशव्यापी प्रदर्शनों को दबा दिया था। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए थे और हजारों अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया था। न्यूयार्य टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी अधिक जेल की एक अन्य सजा सुनाई गई है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 110 समस्याएं

त्वरित व समयबद्ध निराकरण के दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 110 समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों पर तत्काल, प्रभावी एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण किया जाए जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर सोमवंशी ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आम नागरिकों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच है प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा यदि किसी प्रकरण में देरी या शिथिलता पाई गई, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि जनसुनवाई का उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा हो सके और आमजन को समय पर राहत मिल सके सुगम पहल-जरूरतमंद आवेदकों को विशेष सुविधा दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद आवेदकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 'सुगम टोकन' व्यवस्था लागू की जा रही है कलेक्टर की पहल पर बस संचालकों के सहयोग से पात्र हितग्राहियों को जनसुनवाई के पश्चात निःशुल्क घर वापसी की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं विशेष आवश्यकता वाले आवेदकों को राहत प्रदान करना तथा उन्हें सम्मानजनक एवं सुगम सुविधा उपलब्ध कराना है आज की जनसुनवाई के दौरान दो हितग्राहियों को सुगम टोकन' प्रदान किए गए।

दिव्यांग महिला ने जनपद सीईओ से की पेयजल की शिकायत 3 दिन में पानी व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। दिव्यांग महिला सुनीता बैश की सालों पुरानी पेयजल समस्या पर आखिरकार प्रशासन ने संज्ञान लिया है जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जगदीश गोमे ने न सिर्फ उनकी समस्या सुनी बल्कि तत्काल मदद भी पहुंचाई ग्राम झाड़ी टोला, पोस्ट मकरोहर, तहसील माड़ा निवासी सुनीता बैश दोनों पैरों से दिव्यांग हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर बताया था कि उनके घर के आसपास पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है मामला सामने आने के बाद जिला पंचायत सीईओ जगदीश गोमे ने सुनीता बैश से मुलाकात की उनकी स्थिति को देखते हुए उन्होंने तुरंत दैनिक जरूरतों को आसान बनाने के लिए एक ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई तीन दिन में पानी की व्यवस्था के निर्देश पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए सीईओ गोमे ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग को निर्देश दिए हैं विभाग को तीन दिन के भीतर सुनीता बैश के घर के आसपास पानी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है सुनीता बैश ने जिला पंचायत सीईओ से मिलकर मामले की शिकायत की थी लापरवाही की जांच के निर्देश सीईओ जगदीश गोमे ने स्वीकार किया कि इतने लंबे समय तक एक दिव्यांग महिला को सहायता न मिल पाना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर चूक है और इसकी जांच की जाएगी यदि किसी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद अब सुनीता बैश को राहत मिलने की उम्मीद जगी है और क्षेत्र में जल्द ही पेयजल की स्थायी व्यवस्था होने की संभावना है।

रिहायशी इलाके में घुसा जंगली भालू, शहद खाने पीपल के पेड़ पर चढ़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व से सटे मोहन रेंज के अंतर्गत कुसमी क्षेत्र की ग्राम पंचायत भगवार में रात एक जंगली भालू रिहायशी इलाके में घुस आया यह घटना रात करीब 9 बजे हरिजन बस्ती की है। इससे ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती के पास एक घर के पास पुराने पीपल के पेड़ पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता लगा हुआ है भालू शहद खाने के लिए पेड़ पर चढ़ गया और कुछ देर तक वहीं रुका रहा इसी दौरान मधुमक्खियों की तेज भनभनाहट और पेड़ की हलचल से लोगों को कुछ गड़बड़ होने का अंदेशा हुआ भालू को देखकर ग्रामीणों ने मचाया शोर जैसे ही भालू पेड़ से नीचे उतरा, ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ गई भालू को देखते ही मोहल्ले के लोगों में शोर मच गया लोग घरों से बाहर निकल आए और टॉर्च जलाकर और आवाजें कर उसे भगाने की कोशिश करने लगे अचानक हुए शोर से घबराया भालू गांव में ज्यादा देर नहीं रुका। वह नदी की दिशा में भागता हुआ जंगल की ओर चला गया।

खनिज के अवैध परिवहन पर संयुक्त कार्रवाई, 8 वाहन जब्त, प्रकरण दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट सिहावल प्रिया पाठक तथा जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज-राजस्व-पुलिस के संयुक्त दल द्वारा 9 फरवरी 2026 को अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया तहसीलदार दिनेश तिवारी, थाना प्रभारी राकेश वैस एवं प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव के नेतृत्व में ग्राम हर्दी तहसील बहरी में जांच के दौरान एक हाईवा वाहन द्वारा बोल्डर का बिना वैध अभिवहन पास परिवहन करते हुए पाया गया दोनों वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ थाना अमिलिया परिसर में खड़ा कराया गया है। इसके अतिरिक्त ट्रक द्वारा अभिवहन पास में अंकित मात्रा से अधिक खनिज परिवहन किए जाने पर उन्हें भी जब्त कर थाना अमिलिया में खड़ा कराया गया इसी क्रम में तहसीलदार मड़वास धनुकुमार टोपो, थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल एवं प्रभारी खनि निरीक्षक देवेन्द्र महोबे के नेतृत्व में ग्राम शंकरपुर, भदौरा में टाटा 407 वाहन क्रमांक डच्66ळ0329 द्वारा बिना वैध अभिवहन पास रेत परिवहन करते हुए पाए जाने पर वाहन जब्त कर थाना मड़वास में खड़ा कराया गया वहीं टाटा 912 वाहन द्वारा निर्धारित मात्रा से अधिक रेत परिवहन करने पर वाहन जब्त कर पुलिस चौकी टिकरी में सुरक्षार्थ रखा गया है उक्त सभी वाहनों एवं संबंधित वाहन स्वामियों/चालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनिज (उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा कलेक्टर द्वारा जिला टास्क फोर्स की दैनिक कार्यवाहियों की समीक्षा की जा रही है जिले में जहां-जहां से खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं वहां निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रिहंद डैम में डूबे युवक का शव बरामद रील बनाते समय हुआ था हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। रिहंद डैम में डूबे 18 वर्षीय युवक संतोष कुमार शाह का शव मंगलवार को बरामद कर लिया गया वह सोमवार दोपहर नाव से गिरकर लापता हो गया था एसडीआरएफ की टीम ने करीब 22 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव को डैम से निकाला नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के दौरान हुआ। युवक चलती नाव में खड़े होकर वीडियो बना रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ा और वह रिहंद डैम के गहरे पानी में गिरकर डूब गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था पानी की गहराई और डैम के फैलाव के कारण तलाश अभियान में काफी कठिनाई आ रही थी पुलिस के अनुसार, संतोष कुमार शाह अपने दोस्तों के साथ डैम घूमने आया था वह स्थानीय मछुआरों की नाव में सवार होकर पानी के बीच पहुंचा था हादसे के समय नाव चल रही थी और युवक मोबाइल से वीडियो बना रहा था पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे मामले की विवेचना की जा रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि वे सोशल मीडिया के लिए रील या वीडियो बनाने के दौरान जान जोखिम में डालने वाले स्टंट से बचें, क्योंकि ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

सुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता- टीम वर्क, संवेदनशीलता और समयबद्ध सेवा पर कलेक्टर का जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में विकासखंड की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत सेवाओं, संकल्प से समाधान अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासन में पारदर्शिता, सकारात्मक कार्यसंस्कृति और जनविश्वास बढ़ाने वाला वातावरण तैयार करना सभी की जिम्मेदारी है कलेक्टर सोमवंशी ने बताया कि हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में प्रशासनिक कार्यों को आठ प्रमुख सेक्टरों में विभाजित कर सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाएं निर्धारित समय-सीमा में ही प्रदान हों उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान के तहत चिन्हित 106 जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया बैठक में कलेक्टर ने टीम वर्क, विभागीय समन्वय, नागरिकों से सतत संवाद और संवेदनशीलता को प्रशासन की सफलता का आधार बताते हुए कहा कि प्रत्येक शासकीय सेवक का आचरण सद्भावनापूर्ण एवं जनहितकारी होना चाहिए उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहकर समस्याओं का समाधान करने, नवाचार अपनाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रशासन की सकारात्मक छवि निर्मित करने के लिए प्रेरित किया बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चंदूलाल पनिका, तहसीलदार राकेश शुक्ला, नायब तहसीलदार एकता शुक्ला सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य आधारित एवं परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए गए।

सीएम के विरोध पर नाबालिग को जेल...12वीं की परीक्षा छूटी

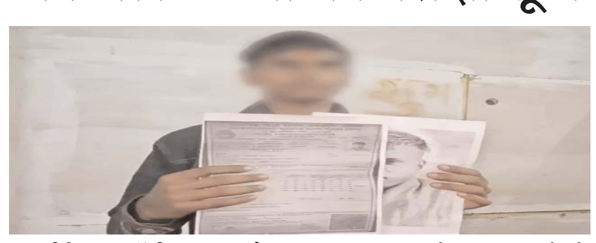

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मध्यप्रदेश में प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। यहां 17 साल 8 महीने 19 दिन उम्र के छात्र को वयस्क मानकर जेल भेज दिया गया इसके कारण छात्र मंगलवार को 12वीं बोर्ड की अंग्रेजी विषय की परीक्षा नहीं दे सका मामले की शुरुआत 8 फरवरी को हुई जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव धनपुरी में वाटर पार्क के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने शहडोल आए थे।

दोपहर करीब 2 बजे मुख्यमंत्री का काफिला गोपालपुर तिराहे से लालपुर हवाई पट्टी की ओर जा रहा था इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाने की कोशिश की कांग्रेस के इस प्रदर्शन की पूर्व सूचना पुलिस के पास नहीं थी पर्याप्त फोर्स नहीं होने से कुछ देर के लिए सीएम के काफिले के पास अफरा-तफरी की स्थिति बन गई स्थिति बिगड़ती देख पीछे से आ रहे कलेक्टर डॉ. केदार सिंह गाड़ी से उतर आए। कलेक्टर ने लाठी लेकर कांग्रेसियों को खदेड़ा 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

बैढ़न पचोर में आरटीओ के सामने सात दुकानों में चोरी, टूटे मिले ताले

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न कोतवाली थाना क्षेत्र के पचोर इलाके में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया आरटीओ कार्यालय के ठीक सामने स्थित परिवहन सलाहकारों की सात दुकानों को निशाना बनाया गया चोर यहां से कंप्यूटर, लैपटॉप और इनवर्टर बैटरी सहित दो लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर ले गए चोरी की इस घटना का खुलासा आज सुबह तब हुआ, जब परिवहन सलाहकार अपनी दुकानों पर पहुंचे उन्होंने दुकानों के ताले टूटे और सामान बिखरा पाया परिवहन सलाहकार गप्पू शुक्ला ने बताया कि चोरों ने कुछ दुकानों की छत की सीट काटकर प्रवेश किया जबकि अन्य दुकानों के ताले तोड़े गए इस घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है सूचना मिलते ही बैढ़न कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और अज्ञात चोरों की तलाश जारी है नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में चार दुकानों से सामान चोरी होने की पुष्टि हुई है जबकि तीन दुकानों के केवल ताले तोड़े गए हैं उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शहर के इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील इलाके में हुई चोरी में रात्रिकालीन गश्त की कमी एक संभावित कारण हो सकती है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अल्ट्राटेक के खिलाफ रघुनाथपुर में ग्रामीणों का प्रदर्शन, अनियमित क्लिंकर परिवहन से धूल का आरोप; रेलवे स्टेशन पर आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन तहसील के ग्राम रघुनाथपुर में अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री मझिगंवा के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है मंगलवार दोपहर 1 बजे से रघुनाथपुर (बघवार) रेलवे स्टेशन परिसर में किसान और ग्रामीण धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं यह आंदोलन अनियमित क्लिंकर परिवहन और भंडारण के विरोध में किया जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री द्वारा खुले में क्लिंकर का परिवहन, भंडारण और रेलवे बोगियों में लोडिंग की जाती है। इससे पूरे क्षेत्र में चूना पत्थर की धूल फैल गई है ग्रामीणों के अनुसार, धूल के कारण दिन में खाना-पीना मुश्किल हो गया है, रात में सांस लेने में दिक्कत होती है और घर से बाहर निकलते ही आंखों में धूल भर जाती है लगातार धूल के संपर्क में रहने से कई लोग बीमार हो चुके हैं जिनमें बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से प्रभावित हैं खबर लिखे जाने तक न तो रेलवे विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचा और न ही अल्ट्राटेक प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिनिधि सामने आया आंदोलन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी अपनी टीम के साथ मौजूद हैं उन्होंने बताया कि चूंकि यह आंदोलन रेलवे स्टेशन परिसर में हो रहा है यह मूल रूप से जीआरपी का कार्यक्षेत्र है लेकिन स्थानीय पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह मोर्चा संभाले हुए है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम कर रही है इस मामले पर अधिवक्ता अंबुज पांडे ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि किसान और ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं क्लिंकर की धूल से कई किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं घरों के भीतर तक धूल घुस गई है और बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर कई लोगों को मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर किया गया है इसके बावजूद अल्ट्राटेक प्रबंधन द्वारा अब तक कोई ठोस और स्थायी समाधान नहीं किया गया है अधिवक्ता अंबुज पांडे ने चेतावनी दी कि यदि इसी तरह नियमों की अनदेखी और मनमानी जारी रही तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

डिजिटल सुरक्षा को लेकर अधिकारियों-कर्मचारियों को किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाए जाने वाले सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प तथा एआई का सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग विषय पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन 10 फरवरी 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, साइबर खतरों से बचाव तथा नई तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा कार्यशाला में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे एनआईसी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दशरथ प्रजापति द्वारा साइबर स्वच्छता, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन, फिशिंग एवं ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के साथ उससे जुड़े जोखिमों, डेटा सुरक्षा एवं नैतिक उपयोग के पहलुओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के सवाल

संपादकीय

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा।वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं।

खून से सनी इबादतगाहें और टूटता समाज आतंक की आग में झुलसता पाकिस्तान और इंसानियत पर उठते सवाल

कांतिलाल मांडोत

इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुआ आत्मघाती हमला केवल एक सुरक्षा चूक या एक और आतंकी घटना नहीं है, बल्कि वह आईना है जिसमें पाकिस्तान के भीतर गहराते सामाजिक, वैचारिक और राजनीतिक संकट साफ दिखाई देते हैं। नमाज जैसी पवित्र इबादत के वक्त निर्दोष लोगों की जान जाना किसी भी सभ्य समाज के लिए आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। यहां सवाल किसी एक मजहब, किसी एक समुदाय या किसी एक देश का नहीं है, सवाल इंसान की जान, उसकी सुरक्षा और उस व्यवस्था का है जो बार-बार उसे बचाने में विफल होती दिख रही है।

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा की आग में झुलस रहा है। शिया समुदाय पर हमले कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन राजधानी इस्लामाबाद जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले शहर में इतना बड़ा धमाका यह बताता है कि उग्रवाद अब देश के हर कोने में अपनी पकड़ बना चुका है। यह भी विडंबना ही है कि जिन लोगों का राजनीति, कश्मीर, भारत-पाक संबंध या किसी भी भू-राजनीतिक खेल से कोई लेना-देना नहीं, वही लोग बार-बार इस हिंसा का सबसे आसान शिकार बनते हैं। मस्जिद में नमाज पढ़ने आए लोग किसी एजेंडे का हिस्सा नहीं थे, वे सिर्फ अपने ईश्वर के सामने सिर झुकाने आए थे। आतंकवाद की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि वह किसी तर्क, किसी सीमा या किसी नैतिकता को नहीं मानता। पाकिस्तान ने दशकों तक जिस कट्टरपंथ को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, वही आज उसके समाज के भीतर जहर की तरह फैल चुका है। कभी यह जहर पड़ोसी देशों की ओर मोड़ा गया, कभी आंतरिक राजनीति के लिए इस्तेमाल हुआ, और आज वही जहर आम पाकिस्तानी नागरिकों की नसों में उतर रहा है। 'जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही भरना पड़ेगा' जैसी कहावत यहां किसी बदले की भावना से नहीं, बल्कि कर्म और परिणाम की कठोर सच्चाई के रूप में सामने आती है।

यह कहना जरूरी है कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, लेकिन आतंकवादियों के निशाने पर अक्सर वही होते हैं जो सबसे कमजोर, सबसे असुरक्षित और सबसे निरीह होते हैं। पाकिस्तान में शिया समुदाय लंबे समय से इसी स्थिति में है। बीते दो दशकों में हजारों शियाओं की हत्या यह बताती है कि यह केवल सुरक्षा की समस्या नहीं, बल्कि समाज में गहरे बैठे नफरत के बीजों का नतीजा है। जब राज्य किसी खास विचारधारा के साथ समझौता करता है, जब हिंसक समूहों को 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकवादी के खांचे में बांटा जाता है, तब अंततः वही हिंसा बेकाबू होकर पूरे समाज को निगलने लगती है। इस हमले का एक और पहलू पाकिस्तान की कमजोर होती अर्थव्यवस्था से भी जुड़ता है। जब देश कर्ज के बोझ तले दबा हो, जब बेरोजगारी बढ़ रही हो, जब युवाओं के पास भविष्य की कोई ठोस उम्मीद न हो, तब कट्टरपंथी विचारधाराएं आसानी से जमीन बना लेती हैं। आर्थिक अस्थिरता और वैचारिक उग्रता एक-दूसरे को पोषित करती हैं। पाकिस्तान में बढ़ता कर्ज-जीडीपी अनुपात, बजट घाटा और आम आदमी पर बढ़ता आर्थिक दबाव केवल आंकड़े नहीं हैं, ये उस असंतोष की कहानी कहते हैं जो अंततः हिंसा का रूप ले लेता है।

भारत के संदर्भ में अक्सर पाकिस्तान के भीतर यह नैरेटिव गढ़ा गया कि सारी समस्याओं की जड़ बाहर है। कश्मीर, सीमा विवाद और भारत-विरोधी बयानबाजी ने वर्षों तक आंतरिक सवालों से ध्यान हटाने का काम किया। लेकिन आज जब मस्जिदों, इमामबाड़ों और बाजारों में पाकिस्तान के अपने लोग मारे जा रहे हैं, तब यह बहाना भी कमजोर पड़ता दिख रहा है। कश्मीर में मारे गए निर्दोष लोगों का दर्द किसी भी तरह से कम नहीं था, और आज पाकिस्तान के निर्दोष लोगों का दर्द भी उतना ही वास्तविक और उतना ही पीड़ादायक है। इंसानी जान की कीमत सरहद नहीं देखती।

यह भी सच है कि आम पाकिस्तानी नागरिक इन नीतियों का निर्माता नहीं रहा। वह भी उसी तरह इस हिंसा का शिकार है, जैसे कोई और। इसलिए किसी भी तरह की सामूहिक दोषारोपण की मानसिकता से बचना जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सरकारों से ज्यादा समाज की लड़ाई होती है।

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस, लैब असिस्टेंट से जेनेटिक साइंटिस्ट तक का सफर

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने हेरेडिटी और सेक्स क्रोमोसोम की नींव रखने में मदद की। केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक जाने-माने अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में थॉमस हंट मॉर्गन के फ्लाई रूम पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। उनका जन्म 11 जनवरी, 1889 को श्यूलर फॉल्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे हेरेडिटी की क्रोमोसोम थ्योरी को डेवलप करने में एक अहम व्यक्ति थे। वे एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके हेरेडिटी में क्रोमोसोम की भूमिका तय की। उन्होंने 1910 में थॉमस हंट मॉर्गन के लैब असिस्टेंट के तौर पर यह ट्रैक करना शुरू किया कि इसके क्रोमोसोम में म्यूटेशन ने हेरेडिटी को कैसे बदला।

संजय गोस्वामी

(जन्मदिन 11 जनवरी 2026 पर विशेष)

ब्रिजेस ने सेक्स क्रोमोसोम को अलग करने में होने वाली नेचुरल गलतियों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि क्रोमोसोम की गलत संख्या से अजीब फ्रूट फ्लाई पैदा होती हैं। ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती। उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया। उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा। 'कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस ने वहां जेनेटिसिस्ट थॉमस हंट मॉर्गन के लिए लैब असिस्टेंट की नौकरी कर ली। उन्होंने और मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक एक्सपेरिमेंटल डिज़ाइन बनाया, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव उसके क्रोमोसोम में बदलाव में दिख सकते हैं। इन एक्सपेरिमेंट से 'जेनेटिक मैप' बने और क्रोमोसोम इनहेरिटेंस की थ्योरी पक्की हुई। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है–जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का मैथमेटिकल रेश्यो है। मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक्सपेरिमेंट किए, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव दिख सकते हैं। इसके क्रोमोसोम में बदलाव। इन एक्सपेरिमेंट से जेनेटिक मैप और जेनेटिकली प्रूवन क्रोमोसोम थ्योरी बनी। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है–जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का बैलेंस है। 1928 में ब्रिजेज, मॉर्गन के साथ कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पासाडेना चले गए, जहां उन्होंने फल मक्खी के लार्वा की लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले विशाल गुणसूत्रों के विस्तृत जीन मानचित्र बनाए। बाद में उन्होंने जीन दोहराव के कारण ड्रोसोफिला म्यूटेंट के एक महत्वपूर्ण वर्ग की खोज की। उन्होंने यह भी स्थापित किया कि वाई गुणसूत्र ड्रोसोफिला में लिंग का निर्धारण नहीं करता है। ड्रोसोफिला शोधकर्ताओं के बीच ब्रिजेस का सबसे प्रसिद्ध योगदान लार्वा लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले पॉलीटीन गुणसूत्रों का अवलोकन और दस्तावेज़ीकरण है। इन गुणसूत्रों के बैंडिंग पैटर्न को आज भी समकालीन शोधकर्ताओं द्वारा आनुवंशिक स्थलों के रूप में उपयोग किया जाता है।[उद्धरण आवश्यक] ब्रिजेस को ड्रोसोफिला के साथ उनके काम के लिए 1936 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए चुना गया था,गुणसूत्र विकार, शरीर की किसी भी प्रणाली में विकृतियों या खराबी की विशेषता वाला कोई भी सिंड्रोम, और असामान्य गुणसूत्र संख्या के कारण होता है।आम तौर पर, मनुष्यों में 46 गुणसूत्र होते हैं जो 23 जोड़े में व्यवस्थित होते हैं; जोड़े आकार और आकृति में भिन्न होते हैं और सम्मेलन द्वारा क्रमांकित होते हैं। बाईस जोड़े ऑटोसोम हैं, और एक जोड़ा, संख्या 23, सेक्स क्रोमोसोम है। इस पैटर्न से कोई भी भिन्नता असामान्यताओं का कारण बनती है या एक क्रोमोसोम का एक हाथ या एक हाथ का हिस्सा गायब (डिलीशन) हो सकता है। एक क्रोमोसोम का हिस्सा दूसरे में ट्रांसफर (ट्रांसलोकेशन) हो सकता है, जिसका उस व्यक्ति पर कोई असर नहीं होता जिसमें यह होता है, लेकिन आम तौर पर उसके बच्चों में डिलीशन या डुप्लीकेशन सिंड्रोम होता है। क्रोमोसोम नंबर में बदलाव स्पर्म या अंडे बनने के दौरान या एम्ब्रियो के शुरुआती डेवलपमेंट के दौरान होते हैं। बाद वाले मामले में, सेल्स का मिक्सचर हो सकता है, कुछ नॉर्मल (यूप्लोइड) और कुछ में एबनॉर्मल क्रोमोसोम कॉम्प्लिमेंट्स होते हैं, इस कंडीशन को मोज़ेकिज़्म कहते हैं। दोनों ही मामलों में, क्रोमोसोम से भेजे गए असामान्य जेनेटिक सिग्नल की वजह से डेवलपमेंटल एबनॉर्मलिटीज़ होती हैं। डाउन सिंड्रोम समेत कई क्रोमोसोमल असामान्यताओं को दिल की बीमारी या खराब बनावट से भी जोड़ा गया है। क्रोमोसोमल असामान्यताओं के दूसरे सबूतों में असामान्य सेक्सुअल विकास, व्यवहार में गड़बड़ी, मैलिग्नेंसी (जैसे, क्रोनिक मायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम), और अपने आप गर्भपात शामिल हैं।सेक्स क्रोमोसोम असामान्यताएं ज़्यादा आम हैं और ऑटोसोमल असामान्यताओं की तुलना में इनके असर कम गंभीर होते हैं। नॉर्मल महिलाओं में दो एक्स क्रोमोसोम होते हैं, और पुरुषों में एक एक्स और एक वाय होता है; सेक्स क्रोमोसोम डिस्ट्रीब्यूशन में असामान्यताओं से टर्नर सिंड्रोम (एक्सह), क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (एक्सएक्सवाय), और तथाकथित 'सुपरमेल' (एक्सवायवाय) होते हैं। टर्नर और क्लाइनफेल्टर जैसे लोगों में क्रमशः महिला और पुरुष जननांग होते हैं, जिनमें सेक्सुअल विशेषताओं का विकास धीमा होता है। सुपरमेल औसत से लंबे होते हैं और उनमें सीखने की अक्षमता होती है। हालांकि कुछ स्टडीज़ ने बताया है कि सुपरमेलनेस और क्रिमिनल बिहेवियर के बीच एक कनेक्शन है, लेकिन इस लिंक को काफी हद तक खारिज कर दिया गया है। असल में, कई एक्सवायवाय लोग सोशली अच्छी तरह से एडजस्टेड होते हैं। 1909 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस को मॉर्गन के सहायक के रूप में नौकरी मिल गई। उन्होंने साथ मिलकर ऐसे प्रयोग किए जिनसे पता चला कि गुणसूत्रों में परिवर्तन के माध्यम से आनुवंशिक भिन्नताओं को देखा जा सकता है। इससे जीन मानचित्रों के निर्माण में योगदान मिला और वंशानुक्रम के गुणसूत्र सिद्धांत की पुष्टि हुई। 1925 में, ब्रिजेस, मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टेवेंट ने अपने अभूतपूर्व शोध पत्र गुणसूत्रों और जीनों के संबंध में लिंग सहित कई महत्वपूर्ण खोजों को प्रकाशित किया। इस शोध से पता चला कि ड्रोसोफिला में लिंग निर्धारण केवल एक्स और वाय गुणसूत्रों द्वारा ही नहीं होता, बल्कि यह गुणसूत्र संतुलन–एक्स गुणसूत्रों और ऑटोसोम (गैर-लिंग गुणसूत्रों) की संख्या के अनुपात–का परिणाम होता है। 1910 में मॉर्गन के प्रयोगशाला सहायक के रूप में काम शुरू करते हुए, उन्होंने इस बात की जांच की कि दृश्यमान गुणसूत्रीय परिवर्तन आनुवंशिक लक्षणों को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने प्राकृतिक त्रुटियों की पहचान की, जैसे कि नॉनडिसजंक्शन–जहां गुणसूत्र ठीक से अलग नहीं हो पाते–जिससे अतिरिक्त या अनुपस्थित लिंग गुणसूत्रों वाली असामान्य फल मक्खियां उत्पन्न होती हैं। इन खोजों ने इस बात का पुख्ता प्रमाण दिया कि गुणसूत्र आनुवंशिक जानकारी वहन करते हैं। ब्रिज ने मक्खी के उत्परिवर्तियों को वर्गीकृत करने के लिए एक नामकरण प्रणाली भी तैयार की और विशिष्ट जीनों को लार ग्रंथि गुणसूत्रों में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा।1928 में, ब्रिजेस, मॉर्गन के साथ कैलिफ़ोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पासाडेना गए, जहाँ उन्होंने फ्रूट फ़्लाई लार्वा की लार ग्रंथि की कोशिकाओं में पाए जाने वाले मुख्य क्रोमोसोम के डिटेल्ड जेनेटिक मैप बनाए। फिर जीन डुप्लीकेशन से बने ड्रोसोफ़िला म्यूटेंट के एक महत्वपूर्ण वर्ग की खोज की गई।क्रोमोसोमल डिसऑर्डर, कोई भी सिंड्रोम जो शरीर के किसी भी सिस्टम में खराबी या खराबी की पहचान करता है, और क्रोमोसोम की असामान्य संख्या या बनावट के कारण होता है।इंसानों में आम तौर पर 46 क्रोमोसोम होते हैं जो 23 जोड़ों में व्यवस्थित होते हैं; जोड़े आकार और बनावट में अलग-अलग होते हैं और रिश्ते के आधार पर गिने जाते हैं। बाईस जोड़े ऑटोसोम होते हैं, और एक जोड़ा, नंबर 23, सेक्स क्रोमोसोम होता है। इस पैटर्न में किसी भी बदलाव से असामान्यताएं होती हैं या क्रोमोसोम आर्म या आर्म के हिस्से की अनुपस्थिति (डिलीशन) हो सकती है। एक क्रोमोसोम का हिस्सा दूसरे क्रोमोसोम (ट्रांसलोकेशन) में ट्रांसफर हो सकता है, जिसका व्यक्ति पर कोई असर नहीं होता है, लेकिन अक्सर उनके बच्चों में डिलीशन या डुप्लीकेशन होता है। क्रोमोसोम संख्या में बदलाव स्पर्म या अंडे के बनने के दौरान या शुरुआती एम्ब्रियोनिक डेवलपमेंट के दौरान होता है। बाद वाले मामले में, सेल्स का मिक्सचर हो सकता है, कुछ नॉर्मल (यूप्लॉइड) और कुछ एबनॉर्मल क्रोमोसोम कॉम्प्लिमेंट्स के साथ, इस कंडीशन को मोज़ेकिज़्म कहते हैं। दोनों ही मामलों में, क्रोमोसोम से भेजे गए एबनॉर्मल जेनेटिक सिग्नल एबनॉर्मल डेवलपमेंट का कारण बनते हैं। इनमें से कोई न कोई क्रोमोसोमल इम्बैलेंस सभी जन्मों में से 0.5% में होता है।डाउन सिंड्रोम जिसे पहले मंगोलिज़्म के नाम से जाना जाता था, क्रोमोसोम 21 का एक ट्राइसोमी, पहला क्रोमोसोमल डिसऑर्डर था जिसकी पहचान 1959 में हुई यह सबसे आम ट्राइसोमी है और मेंटल रिटार्डेशन का सबसे आम कारण है। मेंटल इम्पेयरमेंट शायद क्रोमोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़ का सबसे आम लक्षण है, जो कुछ हद तक सभी बड़ी ऑटोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़ के साथ होता है। डाउन सिंड्रोम सहित कई क्रोमोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़, दिल की बीमारी या मैलफॉर्मेशन के साथ भी रिपोर्ट की गई हैं। क्रोमोसोम एबनॉर्मेलिटीज़ के दूसरे लक्षणों में एबनॉर्मल सेक्सुअल डेवलपमेंट, बिहेवियरल डिस्टर्बेंस, मैलिग्नेंसीज़ (जैसे, क्रोनिक मायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम), और स्पॉन्टेनियस अबॉर्शन शामिल हैं। सेक्स क्रोमोसोम में गड़बड़ी ऑटोसोमल गड़बड़ी की तुलना में ज़्यादा आम और कम गंभीर होती है। नॉर्मल महिलाओं में दो एक्स क्रोमोसोम होते हैं, और पुरुषों में एक एक्स और एक वाय होता है; सेक्स क्रोमोसोम के बढ़ने में गड़बड़ी से टर्नर सिंड्रोम (एक्सह), क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (एक्सएक्सवाय), और तथाकथित 'सुपरमेल' (एक्सवायवाय) होते हैं। टर्नर और क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम वाले लोगों में महिला और पुरुष दोनों के जेनिटल होते हैं, और उनमें सेक्सुअल बिहेवियर का डेवलपमेंट धीरे होता है। सुपरमेल औसत से ज़्यादा लंबे होते हैं और उन्हें सीखने में दिक्कत होती है।

खेजड़ी कटेगी तो थार सूखेगा

राजस्थान का थार मरुस्थल केवल रेत का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक जटिल और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसकी जीवनरेखा खेजड़ी (Prosopis cineraria) जैसे देशज वृक्षों से जुड़ी है। हाल के वर्षों में पश्चिमी राजस्थान–विशेषकर जोधपुर, बाड़मेर, नागौर और बीकानेर–में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के तीव्र विस्तार ने इस पारिस्थितिकी को गंभीर संकट में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में उभरा खेजड़ी बचाओ आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं रह गया, बल्कि यह विकास के मौजूदा मॉडल, पर्यावरणीय न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी पर एक व्यापक और गहन बहस को जन्म देता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

खेजड़ी को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया जाना केवल प्रतीकात्मक नहीं था। यह वृक्ष थार की शुष्क और कठोर जलवायु में जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता, पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैव विविधता का आधार रहा है। इसकी फलियाँ पशुओं के लिए पोषक चारे का कार्य करती हैं, पत्तियाँ हरित आहार प्रदान करती हैं और इसकी गहरी जड़ें भूजल को थामे रखती हैं। मरुस्थलीय समाज की लोकसंस्कृति में खेजड़ी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और सम्मान का प्रतीक है, जिसे लोकवाणी में कहा गया– 'सिर साटै रूख रहे, तो भी सस्तो जाण।' ऐसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर कटना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं, बल्कि सदियों से चले आ रहे मानव और प्रकृति के सहजीवन को तोड़ने जैसा है।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की महत्वाकांक्षा के साथ सौर ऊर्जा को विकास की धुरी बनाया है। राजस्थान को उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण सोलर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है और राज्य सरकार लगभग 90 गीगावाट सौर ऊर्जा लक्ष्य का पीछा कर रही है। किंतु यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या हरित ऊर्जा का विस्तार हरियाली के विनाश की कीमत पर किया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान में स्थापित सोलर पार्क्स के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिसमें खेजड़ी जैसे संरक्षित वृक्षों की रातोंरात कटाई की गई। अनेक मामलों में पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन या तो किया ही नहीं गया, या उसे महज़ औपचारिक प्रक्रिया बनाकर छोड़ दिया गया। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक चरागाह भूमि नष्ट हुई, पशुपालकों की आजीविका प्रभावित हुई और मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी क्षरण की प्रक्रिया और तेज़ हो गई।

यह स्थिति सतत विकास की उस अवधारणा से सीधा टकराव है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय को समान रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। खेजड़ी बचाओ आंदोलन इसी विरोधाभास को उजागर करता है। यह आंदोलन 2024 में स्थानीय स्तर पर उभरा, किंतु 2026 तक आते-आते एक संगठित जनांदोलन का स्वरूप ले चुका है। 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निकल कॉलेज में आयोजित महापड़ाव इस संघर्ष का निर्णायक क्षण सिद्ध हुआ। बाज़ार बंद रहे, शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित हुआ और हज़ारों की संख्या में लोग–संत, साधु, महिलाएँ और युवा–एक साझा मंच पर एकत्र हुए। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक सरोकार का विषय बन चुका है।

आंदोलन के संयोजकों ने सरकार के समक्ष यह स्पष्ट चेतावनी रखी कि यदि राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून नहीं लाया गया, तो आंदोलन और तीव्र होगा। क्रमिक अनशन, कैंडल मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव जैसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक उपायों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया गया। 4 फरवरी तक सैकड़ों अनशनकारी दर्ज किए गए, जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस आंदोलन को नैतिक और सामाजिक शक्ति प्रदान करती है। मातृशक्ति की यह भागीदारी केवल विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण आजीविका, लोकसंस्कृति और भविष्य की पीढ़ियों की चिंता को भी व्यक्त करती है।

यह आंदोलन बिश्नोई समाज की उस ऐतिहासिक चेतना से गहराई से जुड़ा है, जिसकी जड़ें 1730 के खेजड़ली कांड में मिलती हैं। अमृता देवी बिश्नोई और उनके साथ 363 लोगों द्वारा खेजड़ी के संरक्षण के लिए दिया गया बलिदान विश्व इतिहास में पर्यावरण रक्षा का प्रथम संगठित उदाहरण माना जाता है। लगभग तीन सौ वर्ष बाद उसी भूमि पर खड़ा यह आंदोलन ऐतिहासिक स्मृति और वर्तमान संघर्ष को जोड़ता है। यह निरंतरता आंदोलन को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि नैतिक वैधता भी प्रदान करती है, जो इसे सामान्य पर्यावरणीय विरोध से अलग बनाती है।

राजस्थान सरकार ने खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया है, किंतु इसके संरक्षण के लिए प्रभावी और बाध्यकारी कानूनी ढांचे का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वृक्ष संरक्षण को लेकर दिए गए निर्देशों के बावजूद ज़मीनी स्तर पर उनका अनुपालन कमजोर रहा है। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि पूरे राज्य के लिए एक सशक्त राजस्थान वृक्ष संरक्षण अधिनियम लागू किया जाए, जो विकास परियोजनाओं में वृक्षों की कटाई को अंतिम विकल्प बनाए, न कि पहली शर्त। कुछ जिलों में अस्थायी रोक या आंशिक आदेश इस संरचनात्मक समस्या का समाधान नहीं कर सकते।

यद्यपि आंदोलन स्वयं को अराजनीतिक बताता है, किंतु इसका प्रभाव राजनीति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। 'नो ट्री, नो वोट' जैसे नारों ने पर्यावरण को एक निर्णायक चुनावी मुद्दे के रूप में सामने ला दिया है। स्थानीय विधायक और सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनियाँ लोकतांत्रिक दबाव के नए रूप को दर्शाती हैं। यह संकेत करता है कि भारत में पर्यावरण अब केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का प्रश्न बनता जा रहा है, जिसका प्रभाव आने वाले चुनावों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह आंदोलन सौर ऊर्जा या विकास के विरोध में नहीं है। आंदोलनकारियों का तर्क स्पष्ट है कि ऊर्जा संक्रमण आवश्यक है, किंतु वह वन विनाश का पर्याय नहीं बन सकता। समाधान के रूप में राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून, सोलर परियोजनाओं में अनिवार्य हरित पट्टी, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, बंजर भूमि और रूफटॉप सोलर को प्राथमिकता तथा पुनर्वनीकरण अभियानों की मांग रखी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन और अमेरिका जैसे देशों में अपनाए जा रहे ऐसे मॉडल, जहाँ सोलर पार्क्स के साथ जैव विविधता संरक्षण को जोड़ा गया है, भारत के लिए भी अनुकरणीय हो सकते हैं।

अंततः खेजड़ी बचाओ आंदोलन यह स्मरण कराता है कि विकास का अर्थ केवल ऊर्जा उत्पादन, निवेश और आंकड़ों तक सीमित नहीं हो सकता। यह आंदोलन लोकतंत्र की उस शक्ति को रेखांकित करता है, जिसमें साधारण नागरिक संगठित होकर नीतियों की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। एक शोधार्थी के दृष्टिकोण से यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी बचाओ आंदोलन भारतीय पर्यावरण आंदोलनों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बनने की क्षमता रखता है। यदि सरकार संवाद, संतुलन और संवेदनशील नीति का मार्ग अपनाती है, तो यह संघर्ष टकराव के बजाय सतत विकास का उदाहरण बन सकता है। खेजड़ी को बचाना केवल एक वृक्ष को बचाना नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की पहचान, थार की पारिस्थितिकी और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा का प्रश्न है। (डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अफसरों से प्रताड़ित हेड कॉन्स्टेबल के आखिरी शब्द... :पुलिस को इतना भी मत बेचो कि सही आदमी नौकरी नहीं कर पाए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। डीजीपी सर से निवेदन है कि पुलिस को इतना भी मत बेचो कि सही आदमी नौकरी नहीं कर पाए जिले में सब कुछ बिक रहा है कोई सुनने को तैयार नहीं है ये बातें पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल होशियार सिंह के सुसाइड नोट का हिस्सा है अपने सुसाइड नोट में होशियार सिंह ने अपने ही विभाग के अधिकारियों पर प्रताड़ना भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं होशियार सिंह की मौत ने पूरे पुलिस महकमे को कटघरे में खड़ा कर दिया है इस सुसाइड नोट ने सिस्टम की उस खामी को उजागर किया है जहां ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की कोई कीमत नहीं है हालांकि पुलिस के आला अधिकारी इस सुसाइड नोट में लिखी बातों को सिरे से खारिज करते हैं होशियार सिंह की मौत के बाद परिवार उनके शव को लेकर हरियाणा

रवाना हो गया होशियार सिंह ने सुसाइड नोट में जो बातें लिखीं क्या वाकई में ऐसा हो रहा है अपने पिता को याद करते हुए होशियार सिंह की बेटी अर्पिता यादव बताती हैं कि पापा के चार-चार ऑपरेशन हो गए थे वह अफसरों से गुहार लगाते थे कि उनकी हार्ड ड्यूटी न लगाएं, लगाना हो तो नाइट ड्यूटी लगा दें या थाने पर भेज दें मगर, अधिकारी (आरआई और अन्य) उन्हें कई-कई दिनों के लिए मुलजिम पेशी पर दूसरे राज्यों में भेज देते थे मेरे पापा कमजोर नहीं थे और न ही हार मानने वालों में से थे वह घर से खाना खाकर सही सलामत निकले थे कंट्रोल रूम पर ही कुछ ऐसा हुआ कि उन्होंने इतना बड़ा कदम उठा लिया और वह लाश बन गए अर्पिता की आंखों में अपने पिता को खोने का गम और सिस्टम के खिलाफ गुस्सा साफ दिखाई देता है अर्पिता बताती हैं कि उनके पिता पिछले चार दिनों से छुट्टी पर थे और सोमवार को उन्हें ड्यूटी ज्वाइन करनी थी रविवार को वह अपनी छुट्टी बढ़वाने के लिए ही घर से निकले थे परिवार के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर उन्हें छुट्टी के लिए अपने लाइन ऑफिसर, यानी आरआई से मिलना था, तो वह पुलिस कंट्रोल रूम क्यों गए अर्पिता का आरोप है कि कंट्रोल रूम में जरूर कुछ हुआ है वहां ऐसा क्या हुआ कि मेरे पिता को जहर खाने पर मजबूर होना पड़ा यह एक बड़ा सवाल है, जिसका जवाब जांच में सामने आना चाहिए।कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं फुटेज की जांच होनी चाहिए कि पापा कब पहुंचे, वहां किन लोगों से मिले और कब उन्होंने जहर खाया परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि होशियार सिंह का मोबाइल फोन गायब कर दिया गया है भ्रष्टाचार का अड्डा पुलिस लाइन विभाग में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है यहां बिना पैसे दिए कोई भी काम नहीं होता ड्यूटी लगवाने से लेकर लाइन की हर व्यवस्था पैसों पर चल रही है सही व्यक्ति की कोई सुनवाई नहीं होती और ईमानदारी से नौकरी करना मुश्किल हो गया है मुख्य आरोपी - प्रधान आरक्षक और आरआई: प्रधान आरक्षक तिवारी प्रत्येक कर्मचारी से पैसे लेकर ड्यूटी लगाता है। आरआई नीमच भी इसमें शामिल हैं ईमानदार कर्मचारी के लिए यहां कोई स्थान नहीं बचा है। मुझे मानसिक रूप से बहुत प्रताड़ित किया जा रहा है होशियार सिंह ने पूरा शिकायती पत्र हाथ से लिखा है।

सरगुजा संभाग में 2 दिवसीय रोजगार मेला युवाओं को मिलेगा निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग में दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है यह रोजगार मेला 16 एवं 17 फरवरी 2026 को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज,में आयोजित होगा रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों में योग्य युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ना है मेले के दौरान विभिन्न निजी संस्थानों द्वारा सीधे साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी इसमें आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित युवा एवं अन्य इच्छुक युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे इस रोजगार मेले में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, मैकेनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर, हेल्पर सहित अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों के लिए भर्ती की जाएगी निजी क्षेत्र की कई कंपनियां मेले में सहभागिता करेंगी, जिससे युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार के अनेक विकल्प उपलब्ध होंगे https//rojgar.cg.gov.in पंजीयन कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीयन के पश्चात पंजीकृत अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर संभाग स्तरीय रोजगार मेले में उपस्थित होकर साक्षात्कार में शामिल होना होगा अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र एवं पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से लाने के निर्देश दिए गए हैं रोजगार मेला युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है आयोजकों ने क्षेत्र के अधिक से अधिक युवाओं से इस मेले में भाग लेकर अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त करने की अपील की है।

रत्ना सिंह ने व्यापारियों संग की बैठके अवैध गतिविधियों पर सख्ती के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रत्ना सिंह ने सोमवार देर रात चिरमिरी का दौरा किया इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारियों और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की बैठक का उद्देश्य क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और व्यापारियों की समस्याओं-सुझावों पर चर्चा करना था बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को खुलकर रखा उन्होंने थाना प्रभारी विजय सिंह की कार्यशैली और सक्रिय पुलिसिंग की विशेष सराहना की व्यापारियों ने बताया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में अपराध नियंत्रण बेहतर हुआ है और असामाजिक तत्वों में कानून का भय बढ़ा है एसपी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध

गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने नशे के अवैध कारोबार, जुआ और सट्टा जैसे अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही एसपी ने यह भी कहा कि व्यापारियों को भयमुक्त और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है अपने दौरे के दौरान पुलिस अधीक्षक ने हल्दीबाड़ी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया उन्होंने वहां की पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को बाजार क्षेत्र में यातायात सुचारु रखने के निर्देश दिए एसपी ने जाम की स्थिति से बचने के लिए बेहतर पार्किंग प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा इस दौरे से स्थानीय व्यापारियों ने उम्मीद जताई है कि पुलिस की सक्रियता से क्षेत्र की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में और सुधार होगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए 25 केंद्रों पर नेटबंद, थाने से परीक्षा कक्ष तक जीपीएस और वीडियोग्राफी से पेपर की निगरानी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से जिले में शुरू हो गईं पहले दिन 12वीं कक्षा के अंग्रेजी विषय की परीक्षा आयोजित की गई जिले के 64 परीक्षा केंद्रों पर कुल 15,455 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं इस बार बोर्ड परीक्षाओं को प्रश्नपत्र लीक होने की किसी भी आशंका से मुक्त रखने के लिए मंडल द्वारा कड़े नियम लागू किए गए हैं प्रशासन और परीक्षा प्रबंधन के लिए यह बड़ी चुनौती मानी जा रही है जिसे देखते हुए हर स्तर पर सख्त निगरानी व्यवस्था की गई है प्रश्नपत्रों को थाने से प्राप्त करने से लेकर परीक्षा कक्ष में खोलने तक की पूरी प्रक्रिया ऐप, जीपीएस ट्रैकिंग और वीडियोग्राफी के माध्यम से मॉनिटर की जा रही है किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए

जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी परीक्षा कक्ष में ही खोला गया प्रश्नपत्र का रैपर नियमों के अनुसार प्रश्नपत्रों का रैपर परीक्षा कक्ष से पहले नहीं खोला गया मल्टीलेयर सुरक्षा पैकिंग में बंद प्रश्नपत्रों को सीधे परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया गया जहां पर्यवेक्षक की मौजूदगी में ही रैपर खोले गए इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कर मंडल के ऐप पर अपलोड की गई केंद्राध्यक्षों ने कलेक्टर प्रतिनिधि के साथ थाने से प्रश्नपत्र लेते समय सेल्फी लेकर ऐप पर अपलोड की इसके बाद थाने से परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की पूरी समय-सीमा जीपीएस के जरिए ट्रैक की गई परीक्षा केंद्र पहुंचने पर दोबारा सेल्फी अपलोड करना अनिवार्य रहा परीक्षार्थियों को सुबह 8:30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया 8:50 बजे उत्तर पुस्तिकाएं वितरित की गईं पिछले वर्षों में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (ओटी) के आउट होने की घटनाओं को देखते हुए इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कई परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है, जबकि 25 परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल जैमर लगाए गए हैं, जिससे नकल और ओटी आउट पर रोक लगाई जा सके पूर्व में विवादों में रहे परीक्षा केंद्रों को इस बार विशेष निगरानी में रखा गया है खोड़, मायापुर, रन्नौद और अमोलपठा को संवेदनशील केंद्र घोषित किया गया है मॉडल स्कूल बालक कोलारस, उत्कृष्ट पिछोर और सीएम राइज करैरा को अति-संवेदनशील केंद्र बनाया गया है इन सभी केंद्रों पर स्थायी प्रेक्षक पूरे समय तैनात रहेंगे जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव के अनुसार परीक्षा की निगरानी के लिए जिला स्तर के साथ-साथ 8 विकासखंड स्तरीय पैनल गठित किए गए हैं ये पैनल लगातार परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं इसके अलावा जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर ट्रैकिंग डिवाइस सक्रिय रखी गई है।

जनसुनवाई में आगजनी, मारपीट, गुमशुदगी के मामले

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित कलेक्टर-एसपी की जनसुनवाई में पीड़ितों की लंबी कतार देखी गई विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने आगजनी, मारपीट, गुमशुदगी और अवैध कब्जे जैसे गंभीर मामलों की शिकायतें दर्ज कराईं जनसुनवाई में पिछोर के वार्ड क्रमांक 11, राजघाट कॉलोनी निवासी नीलेश कुमार सेन ने अपनी परचूनी दुकान में आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी दी उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग से उनकी दुकान में लगभग 3.50 लाख रुपए का सामान जलकर खाक हो गया दिव्यांग होने के कारण यह दुकान ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थी।

6 हजार जोड़े शादी के बंधन में बंधे, गरियाबंद में 4 सरेंडर नक्सलियों ने लिए सात-फेरे

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आज कुल 6,412 से अधिक जोड़े अलग-अलग धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह बंधन में बंधेंगे कन्या विवाह योजना के तहत पूरे प्रदेश भर में सामूहिक विवाह कराया जा रहा है राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 1316 जोड़ों की शादी हुई जहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया इस दौरान दूसरे जिलों के जोड़े ऑनलाइन माध्यम से जुड़ें गरियाबंद जिले में 4 सरेंडर नक्सलियों ने भी सात फेरे लिए वहीं, मनेंद्रगढ़ में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने जा रही एक बस हादसे का शिकार हो गई इस हादसे में करीब 17 जोड़े घायल हुए थे इस अवसर पर सीएम साय कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरुआत भी करेंगे अभियान के

पहले चरण में 6 माह से 52 माह तक के करीब 40 हजार कुपोषित बच्चों को शामिल किया जाएगा इस अभियान की शुरुआत बस्तर संभाग से होगी जिसमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और सुकमा जिले शामिल हैं जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कुल 283 जोड़ों का सामूहिक विवाह मुख्य मेला मंच पर आयोजित किया गया इस आयोजन में बड़ी संख्या में वर-वधू पक्ष के लोग और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे इस सामूहिक विवाह में कुल 25 समर्पित नक्सली भी विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए इनमें सुनील, अंजू, बलदेव, डमरू, रंजीत, एरिना, कांति, विद्या, रत्ना, पार्वती समेत अन्य शामिल हैं इनमें 4 सरेंडर नक्सलियों ने शादी भी की विवाह कार्यक्रम में आशीर्वाद देने के लिए धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल, क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू और जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे 25 समर्पित नक्सलियों ने भी सामूहिक विवाह में शादी की जनकपुर से खड़गवां चनवारीमांड जा रही बस रास्ते में गड्ढे में फंस गई इस हादसे में करीब 17 लोग घायल हो गए घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जानकारी के अनुसार, बस में कुल 54 लोग सवार थे हादसे के दौरान बस के अचानक गड्ढे में फंस गई घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की साथ ही प्रशासन को भी सूचना दी गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से राज्य सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान कर रही है।

बैडमिंटन खेलते समय ITBP के ASI की मौत :कोर्ट में ही गिर पड़े, हार्ट अटैक की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ITBP कैंपस में सोमवार शाम बैडमिंटन खेलते समय एक सहायक उपनिरीक्षक ASI की मौत हो गई 51 वर्षीय नरेंद्र कुमार कोर्ट में खेलते-खेलते अचानक गिर पड़े साथी उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद उनका पार्थिव शरीर राजकीय सम्मान के साथ उनके गृहग्राम सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) रवाना किया गया जानकारी के अनुसार ASI नरेंद्र कुमार (51) सोमवार शाम कैंपस में बैडमिंटन खेल रहे थे इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी और वे अचानक जमीन पर गिर पड़े प्रारंभिक तौर पर उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है हालांकि, असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के

बाद ही स्पष्ट हो सकेगी मंगलवार को शिवपुरी में पोस्टमार्टम कराने के बाद नरेंद्र कुमार का पार्थिव शरीर ITBP कैंपस लाया गया यहां अधिकारियों, जवानों और कैंपस में रहने वाले परिवारों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की घटना के बाद से कैंपस में शोक का माहौल है श्रद्धांजलि के बाद पार्थिव शरीर को ITBP के जवानों द्वारा ससम्मान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के लिए रवाना किया गया।

आरक्षक ने घर में लगाई फांसी, MCB से दो महीने की ड्यूटी कर लौटा था रात में पंखे पर लटकता मिला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विश्रामपुर में आरक्षक ने अपने क्वार्टर में फांसी लगा ली है आरक्षक दो महीने से एमसीबी जिले में ड्यूटी पर था सोमवार शाम ही वह ड्यूटी से लौटा था रात करीब 10 बजे पत्नी ने शव को फंदे पर झूलता देखा मामला विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक अन्तोश खलखो (36) विश्रामपुर के चोपड़ा कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 783 में रहता था दो महीने से उसकी ड्यूटी एमसीबी जिले में लगाई गई थी 9 फरवरी को वह छुट्टी लेकर अपने घर विश्रामपुर लौटा था हॉस्पिटल पहुंचने से पहले हो गई मौत विश्रामपुर लौटने के बाद वह अपने क्वार्टर में पहुंचा शाम को वह अपने ससुराल चोपड़ा कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 788 में गया वहां उसने खाना खाया उसकी पत्नी आशा खेस भी मायके में थी खाना खाने के बाद वह अपने क्वार्टर में लौट गया रात करीब 10 बजे आशा खेस पति के

लिए कुछ खाने का सामान लेकर उसके क्वार्टर में पहुंची, तो अन्सोश खलखो पंखे में फांसी पर झूलता मिला आशा खेस ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और अन्तोश खलखो को फंदे से नीचे उतारा उसे लेकर तत्काल वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है अन्तोश खलखो ने फांसी क्यों लगाई इसका पता नहीं चल सका है पुलिस मामले में परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटा रही है।

कलेक्टर ने छात्रों से तनावमुक्त रहने की अपील की, बोलीं- तनाव छोड़िए तैयारी पर ध्यान दीजिए कोई परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार से बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत हो रही है पहले दिन कक्षा 12वीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने शुभकामनाएं दी हैं और उन्हें सकारात्मक संदेश दिया है कलेक्टर सोनिया मीना ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परीक्षा केवल जीवन का एक पड़ाव है यह भविष्य का अंतिम निर्णय नहीं होती परीक्षा का परिणाम यह तय नहीं करता कि आप जीवन में कितनी सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि आपकी मेहनत और निरंतर प्रयास ही सफलता का

आधार होते हैं उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और यह कभी स्थायी नहीं रहतीं जरूरी यह है कि विद्यार्थी हर परिस्थिति में सीखते हुए आगे बढ़ें और खुद पर भरोसा बनाए रखें कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा के दौरान पालकों और शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है।

इस समय बच्चों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें प्रोत्साहित करना जरूरी है क्योंकि परीक्षा के दौरान बच्चे स्वाभाविक रूप से तनाव महसूस करते हैं उन्होंने कहा कि बच्चों को यह समझाना चाहिए कि यह एक परीक्षा है और इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए यदि पूरा प्रयास किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है साथ ही यह भी समझाना जरूरी है कि यदि कहीं कमी रह जाए, तो जीवन बहुत लंबा है और आगे अनेक अवसर मिलते हैं विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कलेक्टर मीना ने कहा कि वे तनाव मुक्त, स्वस्थ और प्रसन्न मन से परीक्षाओं में शामिल हों। आत्मविश्वास बनाए रखें और शांत मन से प्रश्नपत्र हल करें। कलेक्टर ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को तनाव मुक्त रखने में सहयोग करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें सकारात्मक माहौल बच्चों के प्रदर्शन को बेहतर बनाता है नियमित काउंसिलिंग से मिलेगा सही मार्गदर्शन कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं महत्वपूर्ण होती हैं, जिससे बच्चों में तनाव बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना चाहिए। यदि पढ़ाई या किसी अन्य विषय को लेकर कोई समस्या हो, तो बच्चों को इसे अपने माता-पिता, भाई-बहन, शिक्षकों या दोस्तों से अवश्य साझा करना चाहिए।

हड्डियों से भरा ट्रक पकड़ा, हंगामे के बाद चार गिरफ्तार; गौवंश की हड्डियों की आशंका, सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। सोमवार देर रात हड्डियों से भरा एक ट्रक पकड़े जाने के बाद हंगामे की स्थिति बन गई गौ सेवकों ने ट्रक को रोककर उसमें भारी मात्रा में हड्डियां मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया और चार लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के चेतकपुरी रोड की है जानकारी के मुताबिक ट्रक सेवा नगर से शिवपुरी की ओर जा रहा था तभी गौ सेवकों को संदेह हुआ और उन्होंने ट्रक को रोक लिया ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में हड्डियां मिलीं जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और लोगों ने ट्रक में तोड़फोड़ कर नारेबाजी करते हुए धरना दिया सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया चालक सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है पुलिस का कहना है कि हड्डियों के सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे जिससे यह स्पष्ट हो सके कि हड्डियां किसकी हैं।

पिपरिया में पुलिस गश्त में शातिर चोर गिरफ्तार,दो चोरियों का खुलासा

दिन में रेकी कर करते थे वारदातें

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से दो चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है, और पुलिस ने नकदी, जेवर तथा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि 9 फरवरी की रात करीब 3:30 बजे गश्त कर रही पुलिस टीम ने रात में चोरी के इरादे से घूम रहे एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम महेश कुशवाह, पिता गंगाराम कुशवाह, निवासी काछी मोहल्ला हथवास बताया। सघन पूछताछ के दौरान आरोपी महेश कुशवाह ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर दो चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी दिन में सब्जी का ठेला लगाकर घरों की रेकी करता था और फिर रात में अपने साथी के साथ चोरी करता था। पुलिस के अनुसार, फरियादी विपिन यादव निवासी पालीवाल कॉलोनी, हथवास ने 1 जनवरी, 2026 को चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि परिवार समेत छिंद धाम बरेली जाने के बाद लौटने पर घर और अलमारी का ताला टूटा मिला। घर से 20-25 हजार रुपये नकद, चांदी के सिक्के, बिछिया और अंगूठी चोरी हो गई थी। इसी तरह, 25 नवंबर, 2025 को फरियादी प्रशांत पालीवाल ने सिद्धिका पैलेस में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें मोबाइल और नकदी चोरी होने की बात कही गई थी। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी से एक मोबाइल फोन, 33,000 रुपये नकद, चांदी की बिछिया और चांदी के सिक्के बरामद किए हैं। आरोपी पर पहले भी मारपीट और चोरी के चार अपराध दर्ज हैं। पुलिस उसके अन्य साथी के संबंध में पूछताछ कर रही है। चोर की गिरफ्तारी में सहायक उपनिरीक्षक सुशील कुशवाहा, प्रधान आरक्षक योगेश यादव, महेंद्र गौर, पूनम चौधरी, अरुण सिंह, आरक्षक हेमंत पटेल, ललित हर्णे, शिवम वर्मा, स्नेह साहू, राधेश्याम और अमरदास कलम की सक्रिय भूमिका रही।

इछावर भेरुदा मार्ग पर चलती कार में लगी आग

यात्री सुरक्षित; कूदकर अपनी जान बचाई

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर भेरुदा मार्ग पर मंगलवार दोपहर एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। यह घटना नादान घाट के पास हुई। आग लगने के बाद कार सवार लोगों ने तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हालांकि, फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन टीम के विलंब से पहुंचने के कारण कार को काफी नुकसान हुआ और वह पूरी तरह जल गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना के बाद मार्ग पर दोनों ओर से आ रहे वाहन रुक गए और कई लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया। यह भी ज्ञात नहीं हो पाया है कि कार में कौन लोग सवार थे।

इटारसी में ट्रेन में चोरी करने वाला बदमाश पकड़ाया, आईफोन-16; लैपटॉप

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। जीआरपी इटारसी ने ट्रेनों में यात्रियों का सामान चुराने वाले एक चोर को पकड़ा है। जीआरपी ने आरोपी के पास से करीब 1 लाख 46 हजार रुपए का चोरी गया सामान बरामद किया है। कार्रवाई की जानकारी सोमवार शाम को दी गई। यह वारदात 26 सितंबर 2025 को पंजाब मेल एक्सप्रेस में हुई थी। भोपाल की रहने वाली एक युवती दादर से रानी कमलापति स्टेशन जा रही थी। खिरकिया स्टेशन के पास जब उसकी नींद खुली, तो देखा कि बर्थ पर रखा उसका बैग गायब है। बैग में आईफोन-16, लैपटॉप, मोबाइल और कैश समेत करीब 1.79 लाख रुपये का कीमती सामान था।

स्टेशन के पास से हुई गिरफ्तारी : युवती की शिकायत पर केस डायरी इटारसी जीआरपी को सौंपी गई थी। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से 8 फरवरी 2026 को आरोपी को इटारसी स्टेशन की टिकट खिड़की के पास से धर दबोचा। पूछताछ में उसने चोरी की बात कबूल कर ली, हालांकि कुछ सामान उसने चलती ट्रेन से फेंकना बताया।

बरामद हुआ कीमती सामान : पुलिस ने आरोपी के कब्जे से आईफोन-16, एचपी लैपटॉप और चार्जर बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व में टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

बैढ़न पचोर में आरटीओ के सामने सात दुकानों में चोरी, टूटे मिले ताले

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न कोतवाली थाना क्षेत्र के पचोर इलाके में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। आरटीओ कार्यालय के ठीक सामने स्थित परिवहन सलाहकारों की सात दुकानों को निशाना बनाया गया। चोर यहां से कंप्यूटर, लैपटॉप और इनवर्टर बैटरी सहित दो लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की इस घटना का खुलासा आज सुबह तब हुआ, जब परिवहन सलाहकार अपनी दुकानों पर पहुंचे। उन्होंने दुकानों के ताले टूटे और सामान बिखरा पाया। परिवहन सलाहकार गप्पू शुक्ला ने बताया कि चोरों ने कुछ दुकानों की छत की सीट काटकर प्रवेश किया, जबकि अन्य दुकानों के ताले तोड़े गए। इस घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही बैढ़न कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और अज्ञात चोरों की तलाश जारी है। नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में चार दुकानों से सामान चोरी होने की पुष्टि हुई है, जबकि तीन दुकानों के केवल ताले तोड़े गए हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शहर के इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील इलाके में हुई चोरी में रात्रिकालीन गश्त की कमी एक संभावित कारण हो सकती है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

खंडवा मे ं AI से पति का चाची संग बनाया फोटोः 50 हजार ठगे, पत्नी भोपाल से अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक महिला को ढ्ढ से बनाई गई अश्लील तस्वीरों के जरिए बदनाम करने और 50 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले की आरोपी महिला के परिवार की ही बहू निकली। पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। आरोपी महिला ने अपने पति और उसकी चाची की सोशल मीडिया से तस्वीरें उठाई और उन्हें ढ्ढ तकनीक से अश्लील रूप में बदल दिया। इसके बाद इन तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देकर विधवा महिला से 50 हजार रुपये ऐंठ लिए।

आरोपी पत्नी पति को छोड़ ब्वॉयफ्रेंड के साथ रह रही : पुलिस जांच में सामने आया कि, आरोपी महिला राखी कपाड़िया भोपाल में अपने ब्वॉयफ्रेंड शाहरूख के साथ रहती है। उसने पति सुदामा को छोड़ दिया हैं। राखी को शक था कि उसके पति का उसकी विधवा चाची के साथ अफेयर हैं। चाची को बदनाम करने के लिए उसने सोशल मीडिया से पति और चाची के फोटो निकाले। इसके बाद उन तस्वीरों को एआई के जरिए अश्लील रूप दिया। फिर सारे रिश्तेदारों को फोटो शेयर कर दिए। रिश्तेदारी में बदनामी हुई तो विधवा चाची ने पुलिस से शिकायत की।

फर्जी अकाउंट से वायरल किए, फिर पैसे ऐंठे : खास बात यह है कि, एआई आधारित अश्लील फोटो वायरल होने के बाद विधवा चाची ने पुलिस से शिकायत की, तब तक यह सामने नहीं आया कि इस कृत्य के पीछे कौन है। जिस सोशल मीडिया अकाउंट से विधवा चाची को ब्लैकमेल करके 50 हजार रूपए लिए गए, वह फर्जी था। पुलिस और सायबर सेल की टीम ने आईपी एड्रेस सर्च कर जांच की तो पता चला कि यह अकाउंट किसी शाहरूख नाम के मोबाइल से भोपाल में बैठी एक महिला ऑपरेट कर रही है।

मोबाइल ब्वॉयफ्रेंड का, सिम खुद महिला की थी : केस की इन्वेस्टिगेशन में लगी थाना जावर पुलिस की जांच में सामने आया कि, आरोपी राखी कपाड़िया के पास उसके ब्वॉयफ्रेंड शाहरूख का मोबाइल मिला। लेकिन सिम खुद राखी की थी। इस मोबाइल में पुलिस को 10 इंस्टाग्राम अकाउंट मिले। जो कि अलग-अलग फर्जी नाम से थे। इनमें एक वह अकाउंट भी था, जिसके माध्यम से विधवा चाची को ब्लैकमेल किया गया था। पूछताछ में ब्वॉयफ्रेंड ने बताया कि राखी ने एक हफ्ते के लिए उसका मोबाइल लिया था। सिम उसी की थी और सारे अकाउंट भी राखी ने ही क्रिएट किए थे।

मंदसौर में 6 जुआरी गिरफ्तार, 18 हजार नकद जब्त; दलौदा पुलिस ने अवैध गतिविधियों पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की दलौदा पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 6 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 18,000 रुपये नकद बरामद किए। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। एसपी विनोद कुमार मीना ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल और एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया।

सभी गिरफ्तार आरोपियों पर केस दर्जः पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान जुआ खेल रहे छह आरोपियों को मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की विवेचना जारी है और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अकबर (पिता शाजाद पठान, दत्ता की घाटी, मंदसौर), मुहम्मद शोएब (पिता तौफीक मेवाती, जयपुरा, मंदसौर), समीर (पिता बाबू नियारगर, गुदरी तोड़ा, मंदसौर), इमरान (पिता इस्लाम पठान, स्टेशन रोड, मंदसौर), शफी (पिता गफ्फूर खां, मदारपुरा, मंदसौर) और भरत (पिता प्रकाश सूर्यवंशी, रविदास दरवाजा, मंदसौर) शामिल हैं।

चटनी बनाने के विवाद में पति-पत्नी ने कीटनाशक खायादोनों छतरपुर जिला अस्पताल में भती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में घरेलू विवाद के चलते पति-पत्नी द्वारा कीटनाशक पीने का मामला सामने आया है। चटनी बनाने को लेकर हुए विवाद में पहले पति ने जहरीला पदार्थ खाया, जिसके बाद पत्नी ने भी वही कदम उठा लिया। परिजनों की सतर्कता से दोनों की जान बच गई। फिलहाल, दोनों का इलाज छतरपुर जिला अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह घटना टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के ग्राम आलमपुरा की है। यहां के निवासी 23 वर्षीय नरेंद्र कुशवाहा और उनकी 20 वर्षीय पत्नी पूनम कुशवाहा के बीच यह विवाद हुआ। पूनम अपनी बहन की शादी में पड़ोसी गांव बेला गई हुई थीं। शादी के दौरान ही पति नरेंद्र ने उन्हें बिना खाना खाए घर चलने को कहा। पूनम ने पहले खाना खाने की बात कही, लेकिन नरेंद्र नहीं माने और उन्हें घर ले आए। घर पहुंचने के बाद नरेंद्र ने पूनम से खाने के लिए चटनी बनाने को कहा। पूनम ने नाराजगी में चटनी बनाने से मना कर दिया, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। गुस्से में आकर नरेंद्र ने खुद चटनी बनाई और खाना खा लिया। इसके बावजूद विवाद बढ़ता रहा। आवेश में आकर नरेंद्र ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। पति की यह हरकत देखकर पूनम ने भी वही जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही दोनों को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

बीना में साइकिल हटाने पर दो लोग घायल पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना के भिलावली गांव में सोमवार रात साइकिल हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद मारपीट में बदल गया, जिसमें दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति घायल हो गया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विवाद की शुरुआत सड़क पर रखी एक बच्ची की साइकिल को हटाने को लेकर हुई। यह मामूली कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें लात-घूसों और पत्थरों का भी इस्तेमाल किया गया। पहले पक्ष के फरियादी कन्हैयालाल कुशवाहा (36) ने अपनी शिकायत में बताया कि वह अपने घर के बाहर बैठे थे, जब पड़ोसी जित्तू कुशवाहा ने उनकी बच्ची की साइकिल हटाने को कहा। कन्हैयालाल ने जित्तू को बगल से निकलने को कहा, जिस पर जित्तू ने विवाद शुरू कर दिया। कन्हैयालाल के अनुसार, जित्तू के साथ माखन कुशवाहा और गुंजू कुशवाहा भी आ गए और तीनों ने मिलकर उनके साथ लात-घूसों से मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुल्हाड़ी के बेंत से उनके सिर पर वार किया गया। पुलिस ने कन्हैयालाल की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दूसरे पक्ष के फरियादी माखन कुशवाहा (40) ने अपनी कन्हैयालाल कुशवाहा अक्सर रास्ते के बीच में साइकिल रख देते हैं।

बुरहानपुर में निःशक्त आदिवासी महिला पति संग जनसुनवाई में पहुंची

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में कलेक्ट्रेट में आयोजित जन सुनवाई के दौरान एक निःशक्त आदिवासी महिला अपने आंखों से निःशक्त पति के साथ पहुंची। उन्होंने अधिकारियों से अपनी बंद पेंशन फिर से शुरू करने और पति के लिए भी पेंशन स्वीकृत करने की मांग की। नेपानगर क्षेत्र के ग्राम बाकड़ी की निवासी इस महिला ने बताया कि उनकी निःशक्त पेंशन काफी समय से बंद है। उन्होंने कई बार आवेदन किए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला के पति तेनु आंखों से निःशक्त हैं।

डंपर ने शुगर मिल का वेस्टेज देवनगर मार्ग पर गिराया, रात में 6 वाहन दुर्घटनाग्रस्त

मीडिया ऑडीटर, बम्हौरी (निप्र)। बम्हौरी से देवनगर मार्ग पर स्थित ग्राम जेतगढ़ के पास रविवार शाम एक अज्ञात डंपर द्वारा शुगर मिल का वेस्टेज सड़क पर गिराने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। डम्फर चालक बम्हौरी की ओर से आते हुए जेतगढ़ की पहली पुलिया के पास गन्ने का अपशिष्ट गिराकर आगे बढ़ गया। इसके बाद दूसरी पुलिया के पास भी वेस्टेज खाली किया और फिर ट्रक को वापस घुमाकर पहली पुलिया के पास पूरा डंपर खाली कर दिया। सड़क पर फैले चिकने अपशिष्ट के कारण मार्ग पूरी तरह फिसलन भरा हो गया। रात होते-होते हालात और बिगड़ गए। अपशिष्ट की चिकनाहट के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन लगातार फिसलते रहे। रातभर में करीब छह वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जबकि कई ट्रक सड़क पर फंस गए। इससे मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। वाहन चालकों को यह अंदाजा नहीं था कि सड़क पर वेस्टेज फैला है, जिससे अचानक स्लिप होने की घटनाएं सामने आईं। इस मामले में बम्हौरी थाना प्रभारी प्रीतम सिंह राजपूत ने बताया कि एक अज्ञात डंपर द्वारा सड़क पर मैटेरियल फेंका गया है। मामले की जांच की जा रही है। संबंधित वाहन की पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सड़क की सफाई कराई गई है और यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं। हादसे रोकने के लिए ग्रामीण चालकों को कर रहे सावधान स्थानीय ग्रामीणों ने मोर्चा संभालते हुए सड़क किनारे खड़े होकर वाहन चालकों को सावधान किया, ताकि और हादसे न हों। बावजूद इसके रातभर प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। सोमवार दोपहर बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी और सफाई कर्मचारियों की मदद से सड़क से अपशिष्ट हटाया गया, तब जाकर यातायात आंशिक रूप से सुचारु हो सका। हालांकि सफाई के बाद भी सड़क पर चिकनाहट बनी रही, जिससे वाहन फिसलने की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि शुगर मिल से जुड़े वाहन आए दिन बिना सुरक्षा उपायों के गन्ना अपशिष्ट और अन्य सामग्री का परिवहन करते हैं। आशंका जताई जा रही है कि यह वेस्टेज गाडरवाड़ा या से आया होगा।

सागर में चाकुओं के साथ 6 बदमाश गिरफ्तार कटरबाजों के खिलाफ पुलिस का एक्शन

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में कटरबाज और चाकूबाजों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रूख पहनाया है। मोतीनगर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीन के कब्जे से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को पुलिस जुलूस के रूप में न्यायालय लेकर पहुंची। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर सोमवार को थाना क्षेत्र के धर्मपुरा मरघटा, काकागंज और महलवार मंदिर रोड पर दबिश देकर कार्रवाई की गई।

आरोपियों पर आर्म्स एक्ट में केस दर्जः कार्रवाई में अवैध धारदार खटकेदार चाकू समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सुरेन्द्र पिता मोहन कोरी उम्र 20 वर्ष निवासी बल्लभगनगर वार्ड, सुब्बी उर्फ शुभम पिता रज्जन अहिरवार उम्र 28 वर्ष निवासी संतरविदास वार्ड, पप्पू पिता लक्ष्मन अहिरवार उम्र 32 वर्ष निवासी भगवानगंज शामिल है। आरोपियों के कब्जे से एक-एक लोहे का धारदार खटकेदार चाकू जब्त किया गया है। आरोपियों को पकड़कर थाने लाया गया। जहां आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

3 के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई : इसके साथ ही संज्ञेय अपराध करने की फिराक में घूम रहे 3 असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई। घेराबंदी कर गजेन्द्र पिता चुन्नीलाल पटैल उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम भैंसा, नीतेश पिता मगनलाल कोरी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम भैंसा, मनीष पिता जालम जाटव उम्र 23 वर्ष निवासी बल्लभगनगर वार्ड को गिरफ्तार किया गया। तीनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था को ध्यान रखते हुए अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6 बदमाशों को पकड़ा है। किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी सुरेंद्र कोरी पर 2, सुब्बी उर्फ शुभम पर 5 अपराध पूर्व से दर्ज हैं। आरोपी मनीष जाटव भी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप- शूट-ऑफ में गोल्ड से चूकीं मनु भाकर, ईशा ने जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप में सोमवार को 25 मीटर विमेंस पिस्टल का रोमांचक फाइनल खेला गया, जिसमें मनु भाकर को वियतनाम की थुय ट्रांग गुयेन से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ मनु ने गोल्ड मेडल जीतने का मौका भी गंवा दिया। डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में यह फाइनल दो शूट-ऑफ के बाद तय हुआ। फाइनल में, ईशा सिंह ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच शॉट लगाए, जबकि मनु और थुय ट्रांग ने चार-चार शॉट लगाए। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में हर सीरीज के बाद तीनों निशानेबाज मेडल की पोजीशन बदल रहे थे। भारतीय निशानेबाज वियतनामी निशानेबाज पर दबाव बना रहे थे, लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच शॉट लगाकर उन्होंने दो अंकों की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने गुयेन की सातवीं सीरीज में एक शॉट का फायदा उठाकर अंतर कम किया। ईशा आठवीं सीरीज के अंत में 30 अंकों के साथ आगे चल रही थीं। वह नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं, जिसके चलते उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। आखिरी सीरीज में, मनु ने तीन शॉट लगाए, जबकि गुयेन ने दो शॉट लगाए और फाइनल 35 शॉट पर खत्म हुआ, जिससे मुकाबला शूट-ऑफ में चला गया।

पहले शूट-ऑफ में, दोनों निशानेबाजों ने दो-दो शॉट लगाए, और अगले शूट-ऑफ में मनु तीन शॉट चूक गईं और गोल्ड मेडल से चूक गईं। फाइनल में तीसरी भारतीय, रिदम सांगवान चौथे स्थान पर रहीं।

दूसरी ओर, ईशा सिंह ने चैंपियनशिप में अपना दूसरा व्यक्तिगत मेडल जीता, उन्होंने ब्रॉन्ज पर निशाना साधा। नाम्या कपूर ने जूनियर कैटेगरी में एक और कड़े शूट-ऑफ में गोल्ड मेडल जीता, जबकि अंजलि भागवत ने इसी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसी के साथ भारत के कुल मेडल की संख्या 60 हो गई है, जिसमें 37 गोल्ड, 13 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

जूनियर फाइनल में, नाम्या कपूर ने शूट-ऑफ में गोल्ड मेडल जीता। वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली सबसे युवा भारतीय निशानेबाज ने 29 शॉट लगाए, जो इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा के बराबर थे।

युवा निशानेबाज ने शूट-ऑफ में अपना संयम बनाए रखा, उन्होंने तीन शॉट लगाए जबकि अस्यिफा अपने सभी शॉट चूक गईं। अंजलि भागवत ने 24 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। टॉप स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वालीं पारिशा गुप्ता 14 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय टीमों ने सीनियर और जूनियर दोनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल भी हासिल किया।

श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026

अर्जुन कुच्छल ने जीती ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी

जयपुर। रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में अर्जुन कुच्छल ने ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी अपने नाम की। एक दिवसीय इस गोल्फ टूर्नामेंट में करीब 143 गोल्फर्स ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट में बिज़नेस पर्सनालिटी, उद्योग जगत, न्यायपालिका, सेना और रेलवे सहित विविध पृष्ठभूमि के गोल्फर्स ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड ङ्क सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। इस मौके पर कपिल देव, मदन लाल, गगन खोड़ा और अमृत माथुर सहित सेलिब्रिटी गोल्फर्स भी मौजूद रहे। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे।

हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे।

वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता, जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया ने अपने नाम किया। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा, गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सचमुच प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

श्री पी. एम. रुंगटा फाउंडेशन के ट्रस्टी गौरव रुंगटा ने कहा कि यह टूर्नामेंट खेल भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ गोल्फ के प्रति बढ़ते जुनून और रुचि को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गोल्फ केवल खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने इस खेल को अधिक लोकप्रिय बनाने और नए खिलाड़ियों को इससे जोड़ने के उद्देश्य पर जोर दिया। उन्होंने घोषणा की कि यह टूर्नामेंट हर वर्ष आयोजित किया जाएगा तथा फाउंडेशन उभरते युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और विकास के अवसर उपलब्ध कराकर सहयोग करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप: बीसीसीआई की सख्ती बरकरार, परिवार के साथ नहीं रहेंगे भारतीय खिलाड़ी- रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए बीसीसीआई ने सख्त कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई ने अपनी सख्त नीतियों पर कायम रहते हुए टी20 वर्ल्ड कप अभियान के दौरान खिलाड़ियों के परिवारों को उनके साथ रहने से रोक दिया है। बता दें, टी20 वर्ल्ड कप में इंडियन टीम ग्रुप स्टेज के तीन मुकाबले भारत में ही खेलने वाली है। बीसीसीआई के नियम के मुताबिक 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट के लिए परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं, जबकि छोटे टूर के लिए यह लिमिट घटाकर सिर्फ सात दिन कर दी गई है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम मैनेजमेंट ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में सफाई मांगी थी, लेकिन बोर्ड ने साफ कहा कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे।

रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से कहा गया है, बोर्ड ने साफ कर दिया है कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे। हालांकि, अगर वे चाहें तो अलग से इंतजाम कर सकते हैं।

भारत टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लीग फेज के तीन मैच घर पर और एक गेम कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवारों को खिलाड़ियों के साथ टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था।

भारतीय टीम 2024 में न्यूजीलैंड से भारत में ही 0-3 से हारी थी और फिर ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-3 से हार हुई थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के खराब प्रदर्शन की स्थिति को देखते हुए ऐसा किया गया था।

अधिकारियों का मानना ??था कि परिवारों के साथ होने से, खासकर विदेशी मैचों के दौरान, खिलाड़ियों का ध्यान भटक सकता है और उनके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, बीसीसीआई ने एक नियम बनाया है जिसके तहत सभी खिलाड़ियों को हर समय टीम के साथ यात्रा करनी होगी।

भारत ने अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत अमेरिका पर जीत के साथ की और गुरुवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया से भिड़ेगा, जिसके बाद 15 फरवरी को कोलंबो में क्रिकेट के मैदान में पाकिस्तान से मैच होगा।

टी20 विश्व कप: इटली ने 17 गेंदों पर गंवाए आखिरी 5 विकेट, स्कॉटलैंड 73 रन से जीती

कोलकाता, एजेंसी। इटली को टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में 73 रन से हार का सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड के दिए 208 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली 16.4 ओवर में 134 पर आउट हो गई। इटली ने अपने आखिरी 5 विकेट 17 गेंदों पर गंवाए। 208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पहली ही गेंद पर जस्टिन मोस्का का विकेट गिर गया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। इटली ने अपने आखिरी 5 विकेट 17 गेंद के अंदर गंवाए। कप्तान वेन मैडसेन इंजरी की वजह से बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। इटली के लिए हैरी मैनेंटी और बेन मैनेंटी ने क्रीज पर रुक कर संघर्ष करने का माद्दा दिखाया। हैरी मैनेंटी ने 25 गेंद पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 37 रन बनाए, जबकि बेन ने 31 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। इन दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी हुई थी। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लिस्क सफलतम गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। मार्क वाट ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील, और ओलिवर डेविडसन ने 1–1 विकेट लिए। इसके पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 4 विकेट पर 207 तक रन बनाए थे। स्कॉटलैंड के लिए जॉर्ज मुन्से ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 54 गेंद पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 84 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

रणजी ट्रॉफीः मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची कर्नाटक, केएल राहुल रहे प्लेयर ऑफ द मैच

मुंबई । कर्नाटक ने एमसीए क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कर्नाटक की जीत के हीरो केएल राहुल रहे। कर्नाटक को जीत के लिए चौथी पारी में 325 रन का लक्ष्य मिला था। पारी की शुरुआत करने उतरे केएल राहुल ने 182 गेंद पर 14 चौकों और 1 छक्के की मदद से 130 रन की पारी खेली। राहुल चौथे विकेट के रूप में आउट हुए, जब टीम को जीत के लिए सिर्फ 59 रन की जरूरत थी। इसके अलावा एस. रविचंद्रन ने 123 गेंद पर नाबाद 83 और विद्याधर पाटिल ने 30 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान देवदत्त पड्डिकल ने भी 39 रन बनाए। कर्नाटक ने 6 विकेट पर 325 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीता। मैच पर नजर डालें तो मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। यह फैसला गलत साबित हुआ था। अखिल हरवाडेकर (60 रन) को छोड़कर मुंबई के सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे थे। टीम 120 रन पर सिमट गई थी। कर्नाटक के लिए विद्वत कविरप्पा, प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस गोपाल ने 3-3, जबकि विद्याधर पाटिल ने 1 विकेट लिया था। कर्नाटक की पहली पारी मयंक अग्रवाल के 92 रन के बावजूद 173 पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर कर्नाटक को 53 रन की अहम बढ़त मिली थी। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी और तुषार देशपांडे ने 4-4, जबकि शार्दुल ठाकुर और सूर्यांश शेड्गे ने 1-1 विकेट लिए थे। मुंबई ने दूसरी पारी में 377 रन बनाए थे। 53 रन की बढ़त की वजह से कर्नाटक को जीत के लिए 325 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 6 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न! 15 फरवरी को खेला जाएगा भारत-पाक के बीच हाई वोल्टेज मैच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने पुरुष क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना तय मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत के बजाय किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट करने की अपील की थी, लेकिन आईसीसी ने बीसीबी की अपील को ठुकरा दिया, जिसके बाद बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल किया गया। इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पहले टीम से कहा था कि भारत के खिलाफ मैच न खेले, ताकि बांग्लादेश को समर्थन दिखाया जा सके, लेकिन आईसीसी की ओर से भारत के मैच का बहिष्कार करने की पाकिस्तान की धमकी पर कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और श्रीलंका सरकार की ओर से पाकिस्तान से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के अनुरोध के बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पुरुष टीम को मैच खेलने की इजाजत दे दी है। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के

अनुरोधों के कारण अपनी टीम को 15 फरवरी का मैच खेलने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा, ÷पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों के साथ-साथ श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सदस्य देशों के समर्थन संदेशों की समीक्षा की है। इन संदेशों में हाल की चुनौतियों का एक समाधान खोजने में पाकिस्तान के नेतृत्व की मांग की गई थी। सरकार ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान पर भी गौर किया। हमारे भाईचारे वाले देश की ओर से व्यक्त की गई गहरी कृतज्ञता को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया गया। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि वह बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। बयान में कहा गया है, रविवार शाम, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से टेलीफोन पर बात की। अपनी गर्मजोशी भरी और मैत्रीपूर्ण बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में।

टी20 विश्व कप: श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कोलंबो में भारत के साथ खेलने के लिए पाक पीएम को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का धन्यवाद किया है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के मैच को मंजूरी देने के लिए आभार जताया। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने पहले अपने फैसले से पलटते हुए अब अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ तय मैच खेलने की अनुमति दे दी है। यह मैच 15 फरवरी 2026 को टी20 विश्व कप में खेला जाएगा। अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वह खुश हैं कि क्रिकेट का यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह मैच कोलंबो में ही होगा।

उन्होंने एक्स पर शेयर किया, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का धन्यवाद, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे। खुशी है कि कोलंबो में चल रहे टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मैच प्लान के मुताबिक होगा।

उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट के को-होस्ट के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनकी कोशिशों के लिए धन्यवाद देता है। श्रीलंका 1996 वर्ल्ड कप के दौरान भारत और पाकिस्तान दोनों की दिखाई गई एकजुटता को नहीं भूला है, जब वे कोलंबो में उस समय खेले थे जब दूसरे देश

सुरक्षा चिंताओं के कारण नहीं खेले थे।

इससे पहले पाकिस्तान सरकार ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने का संकेत दिया था। इसका कारण यह बताया गया था कि वह बांग्लादेश के समर्थन में ऐसा कर रहा है। बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत से अपने मैच श्रीलंका कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया। जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार की धमकी दी, तो आईसीसी ने इस पर सख्त रुख अपनाया। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और श्रीलंका सरकार ने पाकिस्तान से अपना फैसला बदलने की अपील की। इन अपीलों और बातचीत के बाद प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने पाकिस्तान की टीम को मैच खेलने की हरी झंडी दे दी। पाकिस्तान सरकार ने साफ किया कि बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोध को देखते हुए यह अनुमति दी गई है। पाकिस्तान सरकार की ओर से सोमवार रात जारी एक बयान में कहा गया, ÷कई देशों की बातचीत में मिले नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की नेशनल क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में अपने तय मैच के लिए 15 फरवरी, 2026 को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।

शासकीय विद्यालय संस्कार एवं सामाजिक सद्भावना के केंद्र हैं: गजेंद्र यादव

छत्तीसगढ़ प्रिंसिपल एसोसिएशन द्वारा शैक्षिक संगोष्ठी एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्रिंसिपल एसोसिएशन के तत्वावधान में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रेक्षागृह में भव्य शैक्षिक संगोष्ठी एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव थे। समारोह की अध्यक्षता अहिवारा विधानसभा के विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाडा ने की। कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने उपस्थित प्राचार्यगणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय विद्यालय बच्चों में संस्कार, समानता और सामाजिक सद्भावना के केंद्र हैं, क्योंकि यहाँ गरीब-अमीर तथा समाज के सभी वर्गों के बच्चे एक साथ अध्ययन करते हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में संसाधनों के अभाव के बावजूद शासकीय विद्यालयों में नामांकन अधिक था, किंतु आज पर्याप्त संसाधन होने के बाद भी नामांकन में निरंतर गिरावट शिक्षकों एवं प्राचार्यों के लिए चिंतन का विषय है। यादव ने बताया कि उनके कार्यकाल में पदोन्नति प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई है, जो निरंतर जारी रहेगी तथा शिक्षकों की जायज़ मांगों पर समयबद्ध एवं सार्थक निर्णय लिए जाएंगे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए डोमन लाल कोर्सेवाडा ने कहा कि समय के साथ समाज में शिक्षकों के सम्मान की भावना में परिवर्तन आया है। पहले शिक्षक समाज में सर्वोच्च सम्मान का पात्र होता था, किंतु आज स्थिति बदली है। उन्होंने शिक्षकों से समय के प्रति पाबंद रहते हुए पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने रोचक उद्बोधन से उपस्थित प्राचार्यगणों को खूब हंसाया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास के कारण मुख्यमंत्री इस सम्मेलन में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के समस्त शिक्षकों एवं प्राचार्यों द्वारा मुख्यमंत्री का अभिनंदन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ प्रिंसिपल एसोसिएशन के माध्यम से उनके विधानसभा क्षेत्र रायपुर उत्तर में आयोजित किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण व्यवस्था वे स्वयं करेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेंद्र पटेल ने कहा कि पदोन्नति के बाद भी प्राचार्यों को अध्यापन कार्य से जुड़े रहना चाहिए तथा नियमित रूप से कम से कम दो कालखंड पढ़ाना चाहिए। प्रिंसिपल एसोसिएशन के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन में सभी पदोन्नत प्राचार्यों को बधाई दी। उन्होंने पदोन्नति प्रक्रिया में संचालनालय से न्यायालय तक संघर्ष में साथ देने वाले साथियों, मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि बीते छह माह में 2800 प्राचार्य, व्याख्याता सहित लगभग 10,000 शिक्षकों एवं प्रधानपाठकों की पदोन्नति पारदर्शिता के साथ की गई है। प्रदेश के प्राचार्यों को एक मंच पर लाने हेतु छत्तीसगढ़ प्रिंसिपल एसोसिएशन को फर्म्स एवं सोसाइटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराया गया है।

● मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान एवं टेलीफिल्म का प्रदर्शन : शैक्षिक संगोष्ठी में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंवदा श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा छात्रों में मानसिक दबाव एवं अवसाद विषय पर व्याख्यान तथा जागरूकता आधारित टेलीफिल्म का प्रदर्शन किया गया।
प्रिंसिपल एसोसिएशन के नौ सूत्रीय मांग पत्र का वाचन श्री राकेश शर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों का शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर श्री हिमांशु भारतीय, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि ओ.पी. शर्मा, करण सिंह अटेरिया, विद्या भूषण दुबे, गोपाल साहू, जितेंद्र सिंह ठाकुर, सुनील यादव, सूरज प्रसाद देवांगन सहित कोरिया से बस्तर तक सुदूर जिलों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष प्राचार्य उपस्थित रहे।

सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती हेतु दावा-आपत्ति निराकरण सूची जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विकास आयुक्त कार्यालय, छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्राप्त आवेदन-पत्रों पर दावा-आपत्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। प्राप्त आवेदनों के संबंध में पात्रता परीक्षण उपरांत अभ्यर्थियों से 28 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। निर्धारित तिथि में प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण गठित समिति के माध्यम से किया गया। दावा-आपत्ति निराकरण सूची विभागीय वेबसाइट पर जारी की गई है। संबंधित अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

अरपा लिंक और खोंगसरा सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7.50 करोड़ रूपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बिलासपुर जिले के अंतर्गत दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7 करोड़ 50 लाख 19 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत योजनाओं में हसदेव अरपा लिंक परियोजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 5 करोड 59 लाख 95 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह विकासखण्ड कोटा के अंतर्गत खोंगसरा व्यपवर्तन योजना की मुख्य नहर के लाईनिंग कार्य के लिए एक करोड़ 90 लाख 24 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। सिंचाई योजनाओं के कार्य पूर्ण कराने मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग को बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती- 2023

26 अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती-2023 के अंतर्गत चयन की प्रक्रिया पूरी करते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 26 अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। यह सूची छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन के आधार पर तैयार की गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में चयनित 251 अभ्यर्थियों में से कुछ अभ्यर्थियों द्वारा लिखित पद त्याग, काउंसलिंग में अनुपस्थिति अथवा नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद कार्यभार ग्रहण नहीं करने के कारण 28 प्रयोगशाला तकनीशियन पद रिक्त हुए थे।इन्हीं रिक्त पदों के विरुद्ध प्रतीक्षा सूची से पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जारी सूची में सामान्य वर्ग के 21 अभ्यर्थियों एवं भूतपूर्व सैनिक कोटे से 5 अभ्यर्थियों को शामिल किया गया है। चयन सूची में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। कुछ पद आरक्षित श्रेणी में पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण रिक्त रखे गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को शासकीय महाविद्यालयों में पदस्थापना हेतु काउंसलिंग 12 फरवरी 2026 को कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, संचालनालय, तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर में प्रातः 10:30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

दूरदर्शन पर कल से होगा रायपुर साहित्य महोत्सव का प्रसारण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर साहित्य महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन का दूरदर्शन पर प्रसारण कल 10 फरवरी से प्रारंभ होगा। यह विशेष कार्यक्रम 'साहित्य पर्व' शीर्षक से दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रसारण 10, 12, 15, 17, 19 एवं 22 फरवरी को शाम 3.30 बजे किया जाएगा। दर्शक इस कार्यक्रम को टाटा प्ले चैनल नंबर 1174, डीडी फ्री डिश तथा डीडी छत्तीसगढ़ चैनल पर पूरे देश में देख सकेंगे। इसके अलावा यह कार्यक्रम डीडी छत्तीसगढ़ के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगा। मोबाइल उपयोगकर्ता इसे 'WAVES' एप के माध्यम से भी देख सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से उदेराम का पक्के मकान का सपना हुआ साकार

कच्चे घर से सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी जीवन की ओर बढ़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण देश के लाखों जरूरतमंद परिवारों को कच्चे और असुरक्षित आवासों से निकालकर पक्के, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है। इसी कड़ी में जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम कल्लूटोला निवासी उदेराम साहू का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है। उदेराम साहू ने बताया कि सीमित आय एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे वर्षों तक कच्चे मकान में परिवार सहित रहने को विवश थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों में दरारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। इन परिस्थितियों के कारण स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत उदेराम साहू को 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए पक्का, सुरक्षित एवं टिकाऊ आवास का निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। आवास निर्माण के दौरान मनरेगा योजना अंतर्गत 90 दिवस की मजदूरी भी उपलब्ध हुई, जिससे उन्हें निर्माण अवधि में रोजगार एवं आय का स्थायी स्रोत मिला। इससे अतिरिक्त ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी और आर्थिक बोझ से राहत मिली। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण से परिवार को स्वच्छता, बेहतर स्वास्थ्य एवं गरिमापूर्ण जीवन का लाभ प्राप्त हो रहा है।

नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वन अग्नि रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन अग्नि (दावानल) जंगलों के लिए एक गंभीर समस्या है। आग लगने से केवल सूखी पत्तियाँ ही नहीं जलतीं, बल्कि बीज, छोटे पौधे, झाड़ियाँ, घास और मिट्टी में मौजूद पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। इससे जंगलों का प्राकृतिक पुनरुत्पादन प्रभावित होता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पत्तियों और सूखी लकड़ियों के सड़ने-गलने से बनने वाले फंगस और बैक्टीरिया मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जो आग लगने पर नष्ट हो जाते हैं।

वन अग्नि से मिट्टी की ऊपरी परत कठोर हो जाती है, जिससे वर्षा का पानी जमीन में नहीं समा पाता और जल स्तर में कमी आती है। औषधीय पौधों के नष्ट होने से वनांचल में रहने वाले लोगों की आजीविका भी प्रभावित होती है। आग के कारण वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, वे भटक जाते हैं और मानव-वन्यप्राणी संघर्ष की स्थिति बन सकती है। साथ ही पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जैव विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इन दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए वनमंडल

नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से

अधिकारी, खैरागढ़ द्वारा वन अग्नि की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वन क्षेत्रों में फायर लाइन की कटाई-सफाई, फायर वाचर्स की नियुक्ति तथा आग की सूचना मिलते ही तत्काल नियंत्रण की व्यवस्था हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी की जा रही है। बेहतर प्रबंधन के लिए वनमंडल कार्यालय खैरागढ़ में फॉरेस्ट फायर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। वन अग्नि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर +91-9301321797 पर देने की अपील आम नागरिकों से की गई है। इसके साथ ही महुआ वृक्षों की ब्लेजिंग कर कंट्रोल बर्निंग, गाँवों में मुनादी, दीवार लेखन, पोस्टर चस्पा करना, स्कूलों में वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताएँ तथा सरपंच एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति अध्यक्षों को पोस्टकार्ड के माध्यम से अपील जैसी नवाचारी पहल भी की जा रही है।

एलोवेरा आधारित पर्सनल केयर उत्पादों से पहचान बना रहा दुगली का वन धन विकास केंद्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के अंतर्गत जिला धमतरी के ग्राम दुगली में स्थापित वन- धन विकास केंद्र (VDVK) आज महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का सफल उदाहरण बन गया है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के मार्गदर्शन में संचालित यह केंद्र वनोपज के मूल्य संवर्धन के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को रोजगार और सम्मानजनक आय प्रदान कर रहा है।

दुगली वन धन विकास केंद्र के स्व-सहायता समूहों के संघ के रूप में कार्य कर रहा है। एक प्रमुख समूह संचालन की जिम्मेदारी संभालता है, जबकि अन्य समूह आवश्यकता और ऑर्डर के अनुसार उत्पादन कार्य में सहयोग करते हैं। केंद्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला है।

केंद्र में वर्तमान में लगभग 25 विभिन्न प्रकार के औषधीय और खाद्य उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें हर्बल पाउडर, स्वास्थ्य पेय और अन्य हर्बल उत्पाद शामिल हैं। सभी उत्पाद गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बनाए जाते हैं तथा आयुष और खाद्य सुरक्षा विभाग से आवश्यक लाइसेंस प्राप्त हैं। विशेष रूप से एलोवेरा से तैयार साबुन, क्रीम, बॉडी वॉश और हैंडवॉश जैसे पर्सनल केयर उत्पादों ने बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे महिलाओं की आय में भी वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण, मशीनरी सहायता, ब्रांडिंग और विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके परिणामस्वरूप उत्पाद राज्य स्तरीय मेलों, विभागीय नेटवर्क और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक बाजार तक पहुँच रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र का वार्षिक कारोबार 74 लाख 62 हजार 156 रुपए दर्ज किया गया, जो इसकी सफलता को दर्शाता है। 'छत्तीसगढ़ हर्बल' ब्रांड के अंतर्गत तैयार उत्पाद अब विभिन्न मार्ट, चयनित आउटलेट्स और ऑनलाइन माध्यमों पर उपलब्ध हैं तथा आयुष विभाग और पर्यटन मंडल को नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

दुगली वन धन विकास केंद्र आज केवल एक उत्पादन इकाई नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और सामाजिक बदलाव की प्रेरक कहानी बन चुका है, जो यह दर्शाता है कि शासकीय योजनाओं और सामूहिक प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कल 10 फरवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6,412 जोड़ो का होगा विवाह

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी होगा शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कल 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत राज्य स्तरीय विवाह कार्यक्रम से प्रदेशभर के 6 हजार 412 से अधिक जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह में बंधने वाले नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे।

मुख्यमंत्री साय स्थानीय साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' का भी शुभारंभ करेंगे। अभियान के प्रथम चरण में 6 माह से 52 माह आयु वर्ग के 40 हजार कुपोषित बच्चों को कवर किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत बस्तर संभाग से होगी, जिसमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर एवं सुकमा जिले शामिल हैं।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। मुख्य कार्यक्रम राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में प्रातः 11 बजे से 1,316 जोड़ों का विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न होगा। इन विवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 35 हजार रूपए उनके बैंक खातें में सहायता राशि और 15 हजार रूपए की राशि के उपहार सामग्री तथा विवाह के आयोजन में खर्च की जाएगी। इस कार्यक्रम से बलौदा बाजार, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद एवं राजनांदगांव जिलों के जोड़े ऑनलाइन माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ेंगे। शेष जिलों में जिला मुख्यालयों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में हिंदू रीति से 6,281, मुस्लिम रीति से 3, ईसाई रीति से 113, बौद्ध रीति से 5

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के बस्तर पंडुम 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए

बस्तर की पहचान बारूद नहीं, उसकी असली पहचान यहाँ की समृद्ध संस्कृति और विरासत है

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के बस्तर पंडुम 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जो बस्तर कुछ साल पहले नक्सलियों के डर से सहमा रहता था और मोर्टार के गोले, बंदुकों की गोलियां और ढ्डश्वष्ठद्य के धमाके हमारे आदिवासी भाई बहनों में भय का संचार करती थी। आज उसी बस्तर में 55 हजार लोगों ने खान- पान, गीत, नृत्य, नाटक, वेशभूषा, परंपरा और वन औषधी जैसी 12 विधाओं में यहाँ की संस्कृति को पुनर्जीवित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है।

अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने हमारी बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का काम किया। गत बस्तर पंडुम में 7 विधाओं में स्पर्धा आयोजित की गई थीं और इस बार पाँच नई विधाओं को जोड़ कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने हमारी आदिवासी और बस्तर की संस्कृति को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार सात जिलों, 1885 ग्राम पंचायतों और 32 जनपद मुख्यालयों से 12 विधाओं में 55 हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति और कला विश्व में किसी भी जनजाति क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है और हम इसे सैकड़ों वर्षो तक जिंदा रखना चाहते है। उन्होंने कहा कि बस्तर की कला, संस्कृति, गीत, नृत्य सिर्फ बस्तर का ही आभूषण नहीं है, बल्कि पूरे भारत की संस्कृति का गहना है और बस्तर पंडुम ने इसे आगे बढ़ाया है। शाह ने कहा कि बस्तर की जनजातियों की अपनी एक संस्कृति है। उन्होंने कहा कि प्रभु राम के समय से उन्होंने अपनी संस्कृति को संजो कर रखा है। यहां के प्रमुख नृत्य आने वाले दिनों में राष्ट्रीय फलक पर भी आगे बढ़ रहे हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का यह विजन है कि बस्तर की संस्कृति देश और दुनिया के सामने पहुँचे। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद नहीं बल्कि यहां की समृद्ध संस्कृति और विरासत ही हो सकती है। शाह ने यह भी कहा कि आदिवासी जनजातियों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध मोदी सरकार बस्तर की नृत्य व कला तथा आदिवासी संस्कृति को वैश्विक सम्मान दिला रही है। प्रधानमंत्री मोदी जी का यह स्पष्ट मानना है कि केवल किताबों में लिखा ही इतिहास नहीं होता, इतिहास वह होता है जो जनमानस की स्मृतियों में जीवित रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातियों के सम्मान के लिए ही भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने का काम किया। भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती वर्ष को देशभर में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जनजातीय शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और वन उपजों के वाणिज्यिक उपयोग को बढ़ावा दिया और 5 लाख वन उत्पाद, पारंपरिक शिल्प की ब्रांडिंग और मार्केटिंग की व्यवस्था की।

अब राजस्व सेवाएँ एक क्लिक दूर :

भुइयां व्हाट्सऐप चैटबॉट और ऑटो-डाइवर्ज़न सुविधा का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डिजिटल गवर्नेंस को और अधिक सशक्त बनाते हुए आज नागरिक सुविधा के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण और अभिनव पहल का शुभारंभ किया गया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने निवास कार्यालय में भुइयां व्हाट्सऐप चैटबॉट सेवा तथा ऑटो-डाइवर्ज़न (पुनर्निर्धारण) सुविधा का औपचारिक राज्यव्यापी शुभारंभ किया। ये दोनों डिजिटल पहल राज्य में ई-गवर्नेंस, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। इन सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को अब राजस्व संबंधी सेवाओं के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और कार्यवाही पूरी तरह सरल, तेज़ और पारदर्शी होगी।

भुइयां व्हाट्सऐप चैटबॉट सेवा के माध्यम से छत्तीसगढ़ के नागरिक अब अपने मोबाइल फोन पर ही विभिन्न राजस्व सेवाओं की जानकारी और सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। यह सेवा नागरिकों को डिजिटल माध्यम से सीधे शासन से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास है, जो राज्य की डिजिटल रूपांतरण यात्रा को नई गति प्रदान करेगी। इस चैटबॉट सेवा के अंतर्गत नागरिकों को जमीन संबंधी जानकारी, राजस्व न्यायालय से संबंधित जानकारी, मोबाइल नंबर जोड़ने की सुविधा, आधार नंबर जोड़ने हेतु ऑनलाइन आवेदन, किसान किताब हेतु आवेदन, नामांतरण

हेतु आवेदन सहित अन्य नागरिक हितैषी राजस्व सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। नागरिक इन सभी सेवाओं का लाभ घर बैठे केवल एक व्हाट्सऐप संदेश के माध्यम से ले सकते हैं। इस सेवा का उपयोग करने के लिए नागरिक +91 7289056060 नंबर को अपने मोबाइल में सेव कर व्हाट्सऐप पर संदेश भेज सकते हैं, जिसके पश्चात चैटबॉट तुरंत आवश्यक जानकारी एवं सेवाएँ उपलब्ध कराएगा।

इसी क्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने एक और महत्वपूर्ण डिजिटल पहल के रूप में ऑटो-डाइवर्ज़न (पुनर्निर्धारण) सुविधा का भी शुभारंभ किया। यह सुविधा भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बनाकर नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान करेगी।इस नई व्यवस्था के अंतर्गत अब नागरिक बिना किसी कागजी कार्रवाई और कार्यालयों के चक्कर लगाए अपने भूमि उपयोग परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पोर्टल पर भूमि चयन से लेकर प्रीमियम एवं शुल्क की गणना तक की पूरी प्रक्रिया स्वचालित और सहज बनाई गई है।

भुगतान प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए ई-चालान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आवेदन के साथ छह आवश्यक दस्तावेजों का ऑनलाइन अपलोड अनिवार्य किया गया है, जिससे प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। आवेदन जमा होते ही वह स्वतः संबंधित सक्षम अधिकारी के पास परीक्षण हेतु प्रेषित हो जाएगा। सक्षम अधिकारी को 15 दिनों के भीतर आवेदन पर निर्णय लेना अनिवार्य होगा, जिससे अनावश्यक विलंब समाप्त होगा और कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकेगी।

यदि निर्धारित समय सीमा में कोई निर्णय नहीं होता है, तो नागरिक को डिम्ड डाइवर्ज़न प्रमाणपत्र स्वतः जारी कर दिया जाएगा, जिससे नागरिकों को लंबे इंतजार से मुक्ति मिलेगी और शासन की जवाबदेही और अधिक मजबूत होगी। नागरिक हितों की सुरक्षा के लिए यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि नागरिक द्वारा गणना की गई राशि वास्तविक देय राशि से कम पाई जाती है, तो सक्षम अधिकारी द्वारा इसकी सूचना दी जाएगी। नागरिक को 60 दिनों के भीतर शेष राशि जमा करनी होगी, अन्यथा विलंब की स्थिति में अर्थदंड का प्रावधान लागू होगा। इस अवसर पर राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले तथा संचालक राजस्व विनीत नंदनवार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। 'तकनीक के माध्यम से शासन को सीधे नागरिकों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है, ताकि समय, संसाधन और श्रम की बचत हो तथा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। छत्तीसगढ़ सरकार नागरिकों को तेज़, सरल और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल गवर्नेंस को निरंतर सशक्त बना रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा